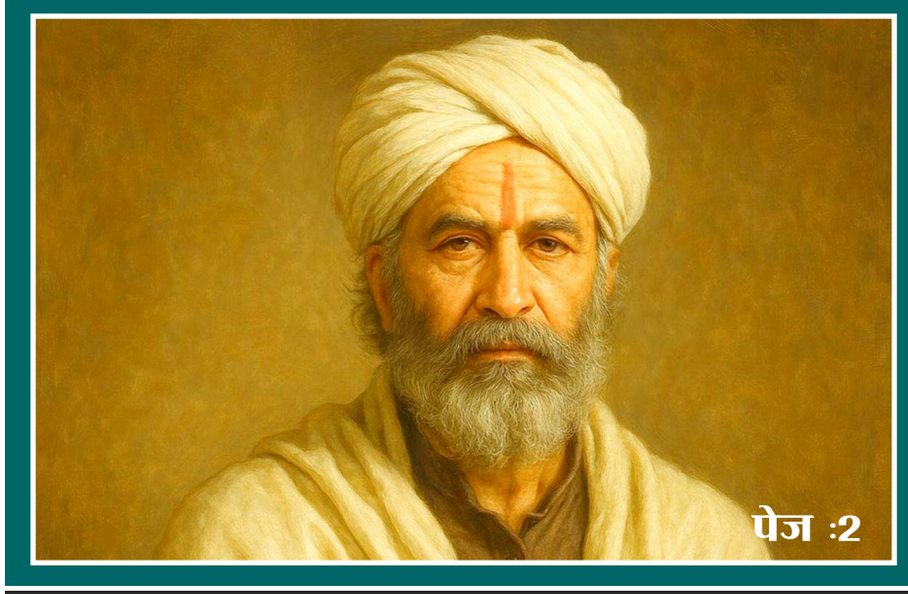

पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, बुधवार, 16 अप्रैल 2025, वर्ष : 9, अंक : 20 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामला : राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी और ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (चार्जशीट) दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की गई है।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल चार्जशीट में कांग्रेस से जुड़े सुमन दुबे और अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। कोर्ट इस मामले पर संज्ञान लेने की प्रक्रिया 25 अप्रैल को शुरु करेगी। यहां बताते चलें कि यह मामला नेशनल हेराल्ड, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और कांग्रेस नेताओं की निजी कंपनी यंग इंडियन के बीच हुए वित्तीय लेन-देन से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने पार्टी फंड का दुरुपयोग किया। एजेएल की करोड़ों की संपत्ति को यंग इंडियन के जरिए निजी नियंत्रण में लाया गया। इडी का दावा है कि पार्टी फंड्स का गैरकानूनी तरीके से निजी लाभ के लिए उपयोग किया गया।

यंग इंडियन में कौन हैं हिस्सेदार?

जांच के अनुसार, यंग इंडियन में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की 76प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष हिस्सेदारी अन्य कांग्रेस नेताओं और पार्टी से जुड़े लोगों के पास बताई गई है।

ईडी की जांच में क्या सामने आया?

पार्टी फंड्स से एजेएल को लोन देने और बाद में एजेएल की संपत्तियों को यंग इंडियन को ट्रांसफर कराने की प्रक्रिया को धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग करार दिया गया है। ईडी ने दस्तावेज़ों, लेन-देन की जानकारी और संबंधित गवाहों के बयान के आधार पर चार्जशीट तैयार की है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में आया जोरदार भूकंप, पहाड़ से जमकर बरसे पत्थर!

वॉशिंगटन।

अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के झटके से लोग सहम उठे। भूकंप से सैन डिएगो के बाहर ग्रामीण इलाकों में सड़कों पर पत्थर गिरने लगे। जू में हाथी डरकर भागने लगे। अलमारियों और दीवारों से सामान भरभरा कर गिरने लगे। फिलहाल, इस भयंकर भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, अधिकारियों नुकसान के आंकलन में जुटे हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, यह भूकंप स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह 10.08 बजे आया। इसका केंद्र सैन डिएगो काउंटी में जूलियन से केवल 4

किलोमीटर दूर था। जूलियन लगभग 1,500 लोगों का एक पहाड़ी शहर है, जो अपनी एप्पल पाई की दुकानों के लिए जाना जाता है। इसे 193 किलोमीटर दूर लॉस एंजिल्स काउंटी तक महसूस किया गया। भूकंप के बाद कई झटके भी आए।

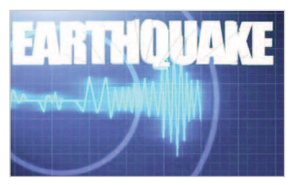

सैन डिएगो काउंटी के लिए कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन के कैप्टन थॉमस शूट्स ने कहा कि जब जमीन हिलना शुरू हुई तो स्कूली बच्चों को एहतियात के तौर पर इमारतों के बाहर ले जाया गया। उन्हें एक शेक अलर्ट मिला और फिर उन्हें चीजें लुढ़कती और टकराती हुई महसूस होने लगीं। उन्होंने कहा कि बहुत कंपन और खड़खड़ाहट हो रही थी। लेकिन शुक्र है कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है।

सैन डिएगो काउंटी शेरिफ विभाग ने यह भी कहा कि उन्हें नुकसान या चोटों की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। जूलियन कैफे एंड बेकरी की मालकिन रिले ओजुना ने कहा कि उनके व्यवसाय में कुछ कप जमीन पर गिर गए। लेकिन सब कुछ ठीक है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में भूकंप एल्सिनोर फॉल्ट जोन के पास 13.4 किलोमीटर की गहराई पर आया।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू, ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते

नई दिल्ली । वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरु हो चुका है। यह पंजीकरण आप ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते है। बता दें कि इस साल पवित्र अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगी। आपको श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर जाना होगा। इस वेबसाइट पर आपको रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना होगा और एक पासपोर्ट साइज फोटो वाला आईडी प्रूफ जैसे आधार, वोटर आईडी या फिर पासपोर्ट अपलोड करना होगा। साथ ही एक मेडिकल सर्टिफिकेट भी अपलोड करना होगा, इस श्राइन बोर्ड द्वारा अनुमोदित डॉक्टर से बनवाना जरूरी है। इसके अलावा आपको रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 150 रुपये भी जमा करने है। जब आप वेबसाइट पर दिया गया फॉर्म भर लेते हैं तब परमिट की एक सॉफ्ट कॉपी जेनरेट होगी जिसका प्रिंट आउट निकलवा कर यात्रा के दौरान अपने पास रखे। अगर आप ऑफलाइन आवेदन करना चाहते हैं, तब श्राइन बोर्ड की ओर से तय बैंकों की किसी भी शाखा में जाकर यात्रा के फॉर्म ले सकते है। हम आपको बता दें कि यह फॉर्म पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, यस बैंक और एसबीआई बैंक की शाखाओं पर आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। बैंक की शाखा पर ही आपको अपना मेडिकल सर्टिफिकेट भी दिखाना होगा। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आपको वहीं से यात्रा का परमिट मिल जायेगा। बता दें कि मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए आपको साइट पर अधिकृत डॉक्टरों और अस्पतालों की सूची भी मिल जाएगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर योगी, क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते

वोट के खातिर दंगाइयों को ममता शांतिदूत कह रही

हरदोई । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर ममता सरकार पर निशाना साधा। मंगलवार को अमर सेनानी राजा नरपति सिंह के विजय दिवस पर आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने कहा कि ममता बनर्जी दंगाइयों को शांतिदूत कहती है। सीएम योगी ने दो टूक कहा कि जिस किसी को बांग्लादेश पसंद हो, वे बांग्लादेश चला जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, दंगाइयों का उपचार डंडा ही है, क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते। सीएम योगी ने कहा, पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है। अगर कुछ लोग बांग्लादेश का समर्थन करते हैं, तब उन्हें वहीं जाना चाहिए था। पूरा बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री हाथ पैर हाथ धरे बैठी हैं। सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद देना चाहूंगा, जिनके हस्तक्षेप पर केंद्रीय बलों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली है। योगी ने कहा कि माफिया से जो जमीन खाली होगी, उस पर हॉस्पिटल बनाए जाएंगे।

सीएम स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया

चेन्नई । तमिलनाडू में राज्यपाल से तनातनी के बीच तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि देश को आजाद हुए 75 साल पूरे हो चुके हैं। हमारे देश में अलग-अलग भाषा, जाति और संस्कृति के लोग रहते हैं। हम सब मिलजुलकर रहते हैं। डॉ. आंबेडकर ने राजनीति और प्रशासन की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार छीने जा रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने मौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भाषा अधिकार की रक्षा कर रहे हैं।

हिंदू समाज में एकता के लिए आंबेडकर और हेडगेवार ने खपाया अपना जीवन-मोहन भागवत

कानपुर ।

सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को यहां कहा कि हिंदू समाज में एकता-समानता बनाने के लिये डॉ. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने अपना पूरा जीवन खपा दिया। काम दोनों का एक ही था। मगर दोनों ने प्रारम्भ अलग-अलग अवस्था में अलग-अलग दिशा से किया था। भागवत ने कहा कि जब 1934 में महाराष्ट्र में सतारा के पास कराड़ की शाखा में डॉ. आंबेडकर गये थे तो उसका समाचार छपा था। केसरी समाचार पत्र में डॉक्टर बाबा साहब आंबेडकर का शाखा पर जो भाषण हुआ उसका तीन पंक्तियों में वृतांत दिया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ बातों में हमारे में मतभेद हैं तो भी मैं संघ को अपनत्व के भाव से देखता हूं।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि यह अपनत्व दो बातों का परिणाम था। डॉ. हेडगेवार और डॉक्टर आंबेडकर दोनों में अपने समाज के लिए कूट-कूट कर अपार आत्मीयता भरी थी। दोनों का जो कार्य था वह समाज में उसी आत्मीयता को उत्पन्न कर सब स्वार्थ और भेदों को तिलांजलि देने का काम था। उस काम के लिए दोनों चले। सब कार्यकर्ता चले। आज भी हम चल रहे हैं। स्वतंत्रता और समता एक साथ लानी है तो बंधुभाव होना जरूरी है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने कठिन परिस्थिति में अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने भी बाबा साहब की तरह समाज में फैली विषमता को दूर कर एक सूत्र में पिरोने का काम किया। अपने लिये दोनों ही डॉक्टरों ने कुछ नहीं किया। बाबा साहब के जाने के बाद उनकी स्मृतियां पुस्तकालय था और डॉ. हेडगेवार के जाने के बाद उनकी स्मृतियां उनका पत्राचार था। दोनों ने ही अपने समाज के लिये कार्य किया और उनकी स्वतंत्रता बनी रहे इसके लिये अपना जीवन खपा दिया। उन्होंने कहा कि यह बड़ा संयोग है कि बाबा साहेब के जन्मदिवस पर ही यह कार्यक्रम हो रहा है।

उन्होंने कहा, बाबा साहब का काम था कि समाज से जणमूल से विषमता से हटाना। उन्होंने कहा कि जैसे संघ एक स्टार्टर है। वैसे बाबा साहब का कार्य भी स्टार्टर था। बाबा साहब का स्टार्टर किक वाला स्टार्टर था क्योंकि हिंदू समाज सुन नहीं रहा था। उन्होंने इस कार्य में अपना पूरा जीवन लगा दिया। उनका मानना था कि भारत देश को अच्छा बनना है तो विषमता, असमानता और एक दूसरे के प्रति प्रेम की कमी को भरने का प्रयास करना जरूरी है। संघ का कार्य भी जिन्होंने ने शुरू किया उनको सामाजिक विषमता का शिकार तो नहीं होना पड़ा लेकिन डायरेक्ट उपेक्षा का शिकार वह भी होते रहे। मोहन भागवत ने कहा कि इस प्रांत को जितनी जरूरत थी, उतना बड़ा कार्यालय बना है। संघ के मानक हैं। जहां जितनी जरूरत उनका ही निर्माण होता है। आवश्यकता से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इतना भी बनाने की स्थिति नहीं थी। जब डॉ. हेडगेवार अकेले चले थे तो संघ की बैठक घरों में होती थी। कभी कार्यालय इतने छोटे थे कि दिखते तक नहीं थे।

पुंछ में सेना के गश्ती दल पर आतंकियों ने की फायरिंग, कोई हताहत नहीं

-सेना और पुलिस ने किया तलाशी अभियान शुरु, लोगों को भी सतर्क रहने को कहा

पुंछ।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के लसाना क्षेत्र में बीती रात संदिग्ध आतंकियों ने सेना की एक टुकड़ी पर फायरिंग की। यह हमला गश्ती पार्टी पर इलाके में निगरानी के दौरान हुआ। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर तलाशी अभियान शुरु कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में सेना ने बताया कि ऑपरेशन लसाना के तहत सुरनकोट के लसाना इलाके में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान आतंकियों से मुठभेड़ भी हुई। इलाके में और जवान भेजे गए हैं और तलाशी अभियान जारी है।

जानकारी के मुताबिक देर रात लसान क्षेत्र में सेना की एक टोह पार्टी ड्यूटी पर थी। इस दौरान कुछ संदिग्ध आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए उन पर फायरिंग कर दी। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद संदिग्ध आतंकी जंगल में भाग गए। इस मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद सेना और पुलिस ने मिलकर पूरे इलाके को घेर लिया है। संदिग्ध आतंकियों की तलाश के लिए जंगल और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी ली जा रही है। स्थानीय लोगों को भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी देने को कहा है। इस घटना के बाद पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है।

भारतीय मौसम विज्ञान का अनुमान, देश में कहीं भीषण गर्मी, कहीं तेज बारिश का जोर

नई दिल्ली ।

देश के विभिन्न राज्यों में मौसम का मिजाज काफी अलग है। कहीं गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर रही है, कहीं बारिश का दौर जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, पश्चिमी राजस्थान से लेकर हिमालयी क्षेत्रों तक और दक्षिण भारत से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों तक अलग-अलग मौसमीय गतिविधियों दिखाई देगी।

पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान में 16 से 18 अप्रैल के बीच लू की स्थिति बनी रहेगी। कुछ इलाकों में यह लू बेहद गंभीर रूप ले सकती है। गुजरात राज्य में भी 17 अप्रैल तक गर्म हवाओं का असर जारी रहने की संभावना है। बाढ़मेर में तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जो इस समय

देश में सबसे अधिक है। 16 से 20 अप्रैल के बीच एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को प्रभावित करेगा। 18 और 19 अप्रैल को इन इलाकों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अनुमान है। साथ ही मैदानी इलाकों जैसे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 से 20 अप्रैल के बीच आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

दक्षिण भारत में बारिश की संभावना

वहीं केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं।

मेहुल चौकसी को भारत लाने की कवायद तेज, बेल्जियम जाएंगे 6 अधिकारी

नई दिल्ली।

देश में करीब 13 हजार करोड़ का घोटाला करने के आरोपी मेहुल चौकसी पर अब और अधिक शिकंजा कस दिया गया है। उसे बेल्जियम से भारत लाने के लिए अधिकारी लगातार प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही प्रयासों के बीच तय किया गया कि 6 अधिकारियों को बेल्जियम भेजा जाए। भगोड़े चौकसी की कोर्ट में सुनवाई से पहले ईडी और सीबीआई बेल्जियम जाने को तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई और ईडी ने बेल्जियम जाने वाले अधिकारियों की लिस्ट तैयार कर ली है। जल्द ही ये अधिकारी रवाना हो सकते हैं।

सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले ही उसके खिलाफ इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस को हटा दिया गया था और तभी से भारतीय एजेंसियां उसे प्रत्यर्पण के माध्यम से भारत लाने के प्रयास में लगी हैं। भारत और बेल्जियम के बीच लंबे समय से प्रत्यर्पण संधि है।सीबीआई और ईडी के आग्रह पर ही मेहुल चौकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक वह स्विट्जरलैंड भागने की फिराक में था। प्रत्यर्पण का आग्रह करने के बाद चौकसी को 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक सीबीआई और ईडी से तीन-तीन अधिकारियों को बेल्जियम भेजा जाएगा। उनके चयन के बाद कागजात बनाए जाएंगे। वीं इस बात की संभावना है कि चौकसी भी अपने प्रत्यर्पण को रुकवाने के लिए उच्च

प्रशासन को अप्रोच करेगा।

चौकसी के वकील ने बताया था कि वह बेल्जियम में गिरफ्तारी के विरोध में याचिका फइल करने वाले हैं। उन्होंने कहा था कि चौकसी ब्लड कैंसर का इलाज करवा रहे हैं। ऐसे में मेडिकल के आधार पर उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आरोपी कैंसर से पीड़ित है और उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा,हम बेल्जियम में उसकी गिरफ्तारी के खिलाफ अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं।

बिहार चुनाव को लेकर खड़गे और राहुल गांधी से मिले तेजस्वी,

नई दिल्ली ।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच मीटिंग हुई। इस मीटिंग में महागठबंधन के सीएम फेस को लेकर हुई चर्चा को काफी अहम माना जा रहा है। सीएम फेस के सवाल पर तेजस्वी यादव ने मीटिंग के बाद कहा, हम लोग आपस में बैठ कर तय कर लेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव के चलते आरजेडी की अगुवाई वाले महागठबंधन के साथ कांग्रेस विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन सीट शेयरिंग और सीएम चेहरे को लेकर गठबंधन के बीच कशमकश बनी हुई है। इसी बीच राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 15 अप्रैल को मीटिंग हुई जोकि सीएम फेस की चर्चा को लेकर काफी अहम मानी जा रही थी। इस मीटिंग के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, हम लोग आपस में बैठ कर तय कर लेंगे।तेजस्वी यादव की राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई मीटिंग के बाद उन से सीएम फेस को लेकर सवाल पूछा गया। जिस पर तेजस्वी यादव ने कहा, आपलोग चिंतित मत होईए। हम लोग आपस में बैठ कर यह तय कर लेंगे। तेजस्वी यादव ने जहां इस बात की जानकारी नहीं दी कि पार्टी मीटिंग में तेजस्वी यादव का चेहरा सीएम के लिए तय किया गया या नहीं। वहीं, उन्होंने इस बात को बार-बार कहा कि हम लोगों की पूरी तैयारी है। हम सब मिलकर बिहार को आगे लेकर जाएंगे। बिहार के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। हम लोग मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। आरजेडी नेता ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश कुमार हाईजैक हो चुके हैं। एनडीए की सरकार बिहार में नहीं बनने जा रही है। तेजस्वी यादव ने मीटिंग को लेकर कहा, काफी पॉजिटिव मीटिंग हुई। इसी के बाद अब महा गठबंधन की 17 अप्रैल को पटना में प्रस्तावित मीटिंग को लेकर वो बोले, पटना में भी हम बैठेंगे। मजबूती के साथ बिहार को आगे ले जाने का संकल्प है। बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। सबसे ज्यादा पलायन बिहार से हो रहा है। साथ ही तेजस्वी यादव ने कहा, अगली बैठक 17 तारीख को पटना में होगी। आगे की रणनीति वहां तय होगी। बिहार में कांग्रेस

और आरजेडी की राह एक होगी यह बात तो है, लेकिन पार्टी के बीच सीएम फेस और सीट शेयरिंग को लेकर कशमकश बनी हुई है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने जिस तरह से खुद मुखरता से तेजस्वी के नाम की घोषणा की है। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस अभी तक इस बात को साफ नहीं कर रही है कि वो तेजस्वी यादव को सीएम कैंडीडेट के तौर पर समर्थन कर रहे हैं।

कांग्रेस इस बात पर सहमत नहीं है कि महागठबंधन का सीएम का चेहरा तेजस्वी यादव को बनाया जाए। इसी बीच राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के बीच हुई यह बैठक काफी अहम है।

प्रधानमंत्री के बिहार दौरे से बिहार में चुनावी बिगुल का प्रारंभ

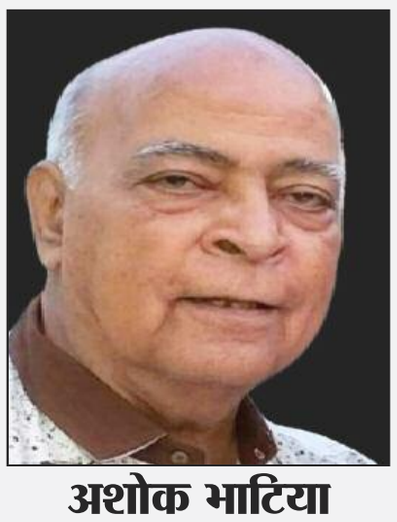

अशोक भाटिया

सबसे बड़ीं इवेंट है 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार का दौरा। वे मधुबनी के भौड़ागढ़ी स्थित एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही कई बड़ी योजनाओं की घोषणा करेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव में अब लगभग छह महीने ही बचे हैं, ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा और कांग्रेस के कई बड़े नेता लगातार बिहार के दौरे कर रहे हैं। बिहार में कांग्रेस की सबसे पुरानी सहयोगी पार्टी आरजेडी भी जो इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है। आरजेडी-कांग्रेस की बैठक खड़गे के आवास पर हो रही है । राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिल रहे है , जिसमें आगामी बिहार चुनावों के लिए सीट बंटवारे और दोनों दलों के बीच गठबंधन पर चर्चा हो रही है । आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि बैठक में बिहार के संपूर्ण संदर्भ पर चर्चा की जाएगी। झा ने कहा कि यह बैठक बिहार के संपूर्ण संदर्भ को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई है, और चूंकि चुनाव अब कुछ ही महीने दूर हैं, इसलिए इस पर चर्चा की जा रही है । 20 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष बिहार के बक्सर जिले में एक जनसभा को भी संबोधित कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने बिहार में पलायन का मुद्दा उठाया है। उन्होंने 'नौकरी दो' रैली निकालकर राज्य सरकार से पलायन रोकने और युवाओं के लिए रोजगार सृजन की सुविधा देने का आग्रह किया। 7 अप्रैल को बेगूसराय में राहुल गांधी भी कुमार के साथ यात्रा में शामिल हुए थे । इन सबसे बड़ीं इवेंट है 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार का दौरा । वे मधुबनी के भौड़ागढ़ी स्थित एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही कई बड़ी योजनाओं की घोषणा करेंगे। लगभग 2 महीने के अंदर प्रधानमंत्री मोदी का ये दूसरा बिहार दौरा है, जिसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दावा किया है कि कार्यक्रम में लगभग पांच लाख लोग जुटेंगे। कार्यक्रम में मधुबनी ही नहीं बल्कि सुपौल, सीतामढ़ी,सहरसा, मधेपुरा, समस्तीपुर, शिवहर, दरभंगा, अररिया और मुजफ्फरपुर के कार्यकर्ता और नेता भी पहुंचेंगे। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी 10 जिलो के पंचायत प्रतिनिधियों को भी संबोधित करेंगे। इस बड़े कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री मोदी भाजपा नेताओं कार्यकताओं में जीत का मंत्र फूंकने का काम करेंगे, कि किस तरह उन्हें अभी से चुनावी की तैयारियों में जुटना है शहर-शहर, गांव-गांव जाकर एनडीए के पक्ष में माहौल बनाना है।एक तरफ जहां भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कह रही है। वहीं दूसरी ओर खुद भी मजबूती से बिहार में सियासी बिसात बिछा रही है। भाजपा बिहार में अपने लिए एक मजबूत पीच तैयार कर रही है ताकि भविष्य में कभी उसे अकेले भी चुनाव लड़ना पड़े तो वो इसके लिए तैयार रहे। याद हो कि अमित शाह ने अपने बिहार के दौरे में एक बात तो स्पष्ट कर दी कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पर यह बात कि चुनाव जीतने के बाद सीएम भी उन्हें ही बनाया जाएगा इस पर प्रकाश नहीं डाला। हालांकि पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम मे गृहमंत्री ने कहा कि 2025 में बिहार में मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनाइये और भारत सरकार को बिहार के विकास का एक और मौका दीजिए। शाह ने यह भी कहा था कि बिहार को बदलने में नीतीश कुमार की अहम भूमिका रही है। शाह की इन बातों की सीधा अर्थ है कि नीतीश को किनारे लगाने के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। दूसरे शब्दों में नीतीश के नाम पर कोई विवाद नहीं है। पर मोदी जी और नीतीश जी दोनों का नाम लेने और दूसरे खुलकर यह न कहने कि चुनाव जीतने पर नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनेगी, लोगों में संदेह बरकरार रह गया। हालांकि मोदी का नाम प्रधानमंत्री होने के नाते लेने का कोई दूसरा अर्थ नहीं लगाना चाहिए। पर राजनीति संभावनाओं का खेल है इसलिए हर बात के कई अर्थ निकाले जाते हैं। वैसे बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, बिहार के दो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और पार्टी विधायकों और सांसदों की बैठक में अमित शाह ने घोषणा की कि चुनाव काल में नीतीश कुमार एनडीए के कप्तान होंगे। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से राज्य के मुख्यमंत्री हैं और भाजपा और लोक जनशक्ति पार्टी चुनाव से पहले उनका 100 फीसदी समर्थन करना मजबूरी रही हैं। भाजपा को बिहार की राजनीति में फिर से नीतीश कुमार का चेहरा आगे करना होगा। राज्य में हुए 2020 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने वास्तव में जीत हासिल की थी। भाजपा ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 74 विधायक चुने थे। जनता दल (यूनाइटेड) ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल 43 विधायक जीते। महाराष्ट्र की तरह भाजपा पटना में भी मुख्यमंत्री पद के लिए दावा कर सकती थी, लेकिन भाजपा ने उदारता से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद दे दिया, जिनके पास कम विधायक हैं। इस घटना को पांच साल हो चुके हैं। विधानसभा चुनाव के बाद पहले से ही इस बात को लेकर तर्क दिए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार को महाराष्ट्र की तरह एकनाथ शिंदे जैसी भूमिका निभानी होगी या नहीं। जिस तरह महाराष्ट्र में भाजपा ने पूरे चुनाव के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नेता बनाए रखा कुछ लगता है उसी तर्ज पर बिहार में चुनाव लड़ने के मूड में है पार्टी। आपको याद होगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान एक बार एक स्टेज पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे एक साथ बैठे हुए थे। पत्रकारों ने फडणवीस से पूछा कि चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा। तो फडणवीस ने एकनाथ शिंदे की ओर इशारा करके कहा था हमारे मुख्यमंत्री तो यहीं हैं। पर परिणाम आने के बाद ऐसा हुआ नहीं । एकनाथ शिंदे अपना रोना लेकर रोते रहे पर पार्टी को कोई असर नहीं पड़ा। अंत में एकनाथ शिंदे डिप्टी मुख्यमंत्री बनने को तैयार हो गए। आज की तारीख में भाजपा बिहार में शायद इसी रणनीति पर काम कर रही है। चुनाव परिणाम आने के बाद नीतीश कुमार डिप्टी मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे , पर हो सकता है कि नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाया जाए। पार्टी चाहती है कि चुनाव में सभी लोग एकजुट होकर मेहनत करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि नीतीश की बढ़ती उम्र और उनकी तबीयत की चिंता को भाजपा समझ रही है। एक तरफ, भाजपा, जेडी (यू), चिराग पासवान की लोक जनशक्ति और जीतन राम मांझी की एचयूएम और दूसरी तरफ, राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और महागठबंधन के छोटे दल होंगे। जाति वोट बैंक और सीट बंटवारा दोनों पक्षों के प्रमुख मुद्दे हैं। यह राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे का एक बड़ा परीक्षण है। बाद के उपचुनावों में महागठबंधन में मतभेद और दरार भी देखी गई। लालू यादव ने राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव को पूर्णिमा निर्वाचन क्षेत्र की सीट छोड़ने से इनकार कर दिया। जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार लगातार विवादों में फंसे हुए हैं। यह सर्वविदित है कि वे भाजपा विरोधी हैं। कन्हैया कुमार ने हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया, लेकिन 70 सदस्यीय विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत सके। अब कांग्रेस पार्टी ने इस नाकाम कन्हैया कुमार को बिहार विधानसभा में सक्रिय करने का फैसला किया है। कांग्रेस ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की जिम्मेदारी दलित विधायक राजेश कुमार को सौंपी है। महागठबंधन में कोई अन्य नेता नहीं होना चाहिए जो अपने बेटे तेजस्वी यादव को चुनौती दे सके, जो मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। लालू यादव इस तरह की सावधानी बरतते दिख रहे हैं। बिहार में सवर्ण या सवर्ण मतदाताओं की संख्या नगण्य है। यही कारण है कि दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों यानी मुस्लिम वोट बैंक में सभी राजनीतिक दलों का बोलबाला है। मुस्लिम मतदाताओं को भाजपा के खिलाफ माना जाता है, फिर भी इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा को कुछ मुस्लिम वोट मिले हैं। नीतीश कुमार पिछड़ी जाति से आते हैं। वे दो दशकों से अधिक समय से मुख्यमंत्री हैं लेकिन उन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया गया है। भारी विरोध के बावजूद, उन्होंने राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्हें महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला। महिला वोट बैंक मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ा है।

संपादकीय

बदलेंगे मनरेगा के नियम

अमृता आर. पंडित

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को नई दिशा देने की कवायद एक अच्छा कदम माना जाएगा। एक संसदीय स्थायी समिति ने मनरेगा से जुडी चुनौतियों को देखते हुए और योजना को नया रूप देने के लिए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण आयोजित करने का सुझाव दिया है, जिससे मनरेगा की प्रभावशीलता का आकलन हो सकेगा। हाल ही में बजट सत्र के समापन के अंतिम हफ्ते में संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट में ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसदीय स्थायी समिति ने योजना के तहत काम के दिनों की संख्या को वर्तमान 100 दिन से बढ़ाकर 150 दिन करने की सिफारिश की है। वहीं, समिति का सुझाव है कि मनरेगा के तहत मिलने वाली मजदूरी को कम से कम 400 रुपये प्रतिदिन तक बढ़ाया जाना चाहिए। दरअसल, मनरेगा के बजट आवंटन में पिछले कुछ वर्षों में ठहराव आया है। यहां तक कि केंद्र में भाजपा गठबंधन की सरकार सत्तासीन होने के बाद यह आरोप भी लगा कि मोदी सरकार मनरेगा की अवधारणा को खुर्द-बुर्द करने पर आमादा है। दो महीने पहले पेश आम बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए आवंटन 86,000 करोड़ रु पये रखा गया है, जो पिछले वर्ष के समान है। इस बात को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर आक्रामक रुख अपनाया। बजट के बाद कांग्रेस ने बकायदा प्रेस कांफ्रेंस कर आरोप लगाया था कि इस महत्त्वपूर्ण सुरक्षा कवच की 'उपेक्षा' ग्रामीण आजीविका के प्रति सरकार की उदासीनता को दशार्ती है। बहरहाल, देश के सांसद देर से ही सही मनरेगा मजदूरों की दुदर्शा सुधारने को लेकर अगर संवेदनशील दिख रही है तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। एक कल्याणकारी राज्य की सफलता का आकलन इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वहां सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास को सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं। समग्र विकास की इस पृष्ठभूमि में मनरेगा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। चूंकि मौजूदा आर्थिक मंदी ने खासतौर पर देश के ग्रामीण क्षेत्रों को प्रभावित किया है और रोजगार के अवसरों को काफी कम कर दिया है, इस नाते संसदीय समिति का मनरेगा को लेकर उदार और सकरात्मक कदम उठाया जाना निश्चित तौर पर मजदूर तबके के लिए राहतकारी कदम होगा। अब श्रमिकों को कार्यक्रम से अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर नहीं किया जा सकेगा। कुल मिलाकर मनरेगा मजदूरों की दशा और दिशा सुधरने की ओर यह कदम निःसंदेह बेहतरी लाएगा।

कृषि कार्यबल में बढ़नी चाहिए महिलाओं की भागीदारी

हाल ही मे भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद की ओर से एक निजी कंपनी के साथ मिलकर तैयार की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के कृषि कार्यबल में 64.4 प्रतिशत महिलाएं हैं, लेकिन सिर्फ 6-10 प्रतिशत महिलाएं कृषि और इससे संबंधित शीर्ष कंपनियों में नेतृत्वकारी पदों पर हैं। रिपोर्ट ने देश के कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और शीर्ष पदों पर उनकी कम उपस्थिति के बीच गहरी खाई को उजागर किया है। रिपोर्ट कहती है कि कृषि व्यवसाय का भविष्य महिलाओं को शिक्षा, कार्यस्थलों में समावेश बढ़ाकर और नेतृत्व विकास के माध्यम से सशक्त बनाने में निहित है। रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है कि कृषि शिक्षा कार्यक्रमों में महिलाओं का 30-40 प्रतिशत नामांकन होता है, लेकिन इनमें से बहुत कम महिलाएं औपचारिक कृषि क्षेत्र में रोजगार पाती हैं। रिपोर्ट के हवाले से विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की मजबूत भागीदारी और उच्च शैक्षणिक उपस्थिति के बावजूद औपचारिक रोजगार में उनकी भागीदारी नगण्य है। इसे बढ़ाने पर जोर दिया जाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। रिपोर्ट ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई रणनीतियां सुझाई हैं, जिनमें महिलाओं को संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करना और समावेशी कार्यस्थलों को बढ़ावा देकर महिलाओं को नेतृत्व के लिए प्रेरित करना शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में कृषि परिदृश्य एक आश्चर्यजनक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। महिलाएं कृषि कार्यबल और शैक्षिक समूहों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी स्नातकों का एक बड़ा हिस्सा औपचारिक रोजगार संरचनाओं में प्रवेश नहीं कर पाता है। हमें इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करते हुए समाधान के रास्ते खोजने होंगे। असल में कृषि का नारीकरण एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जो कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों से प्रभावित होती है। कृषि में महिलाओं की पूर्ण और समान भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई चुनौतियों का समाधान किया जाना बाकी है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कृषि श्रम बल में महिलाएं महत्त्वपूर्ण अनुपात में हैं। 2010-11 की अवधि में लगभग 43 प्रतिशत किसान और 52 प्रतिशत कृषि मजदूर महिलाएं थीं। महिलाओं ने हमेशा कृषि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, चाहे वे किसान हों या मजदूर। हालांकि उनके योगदान को अक्सर अनदेखा किया जाता है और कम करके आंका जाता है। यह गिरावट कई कारकों से प्रेरित है, जिसमें कृषि का मशीनीकरण, गैर-कृषि रोजगार की ओर बदलाव और बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश में पुरु षों का शहरी क्षेत्रों में पलायन शामिल है। नतीजतन, महिलाओं ने कृषि में अधिक से अधिक जिम्मेदारियां और भूमिकाएं निभाई हैं, जिसमें कृषक और खेत प्रबंधक के रूप में शामिल हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रमों सहित कृषि में महिलाओं की शिक्षा और प्रशिक्षण को समर्थन देने वाली नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना होगा। किसान संगठनों, सहकारी समितियों और अन्य स्थानीय संस्थाओं सहित सभी स्तरों पर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना होगा। महिलाओं के भूमि स्वामित्व को बढ़ावा देना, ताकि उन्हें विभिन्न कृषि योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने में मदद मिल सके। महिलाकेंद्रित विस्तार सेवाओं का विकास करना जैसे कृषि मशीनों का नवप्रवर्तन करना, जो महिलाओं के उपयोग के लिए बेहतर अनुकूल हों, लाभकारी होगा। कृषि में महिलाओं की भूमिका अहम है। वे कृषि के कई काम करती हैं जैसे कि बीजों का चयन, खेतों की जुताई, फसल की कटाई, मवेशी प्रबंधन, दूध दुहना, चारा इकट्ठा करना और खाद्य उत्पादन। कृषि में महिलाओं की भागीदारी दर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होती है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि कृषि का नारीकरण एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और क्षेत्र की स्थिरता और उत्पादकता में सुधार के लिए आवश्यक है। कृषि में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं को दूर करके तथा उनकी पूर्ण और समान भागीदारी का समर्थन करके एक अधिक न्यायसंगत और समृद्ध कृषि क्षेत्र बनाना संभव होगा, जो समाज के सभी सदस्यों को लाभान्वित करेगा। कृषि क्षेत्र के साथ ही देश के विकास के लिए ऐसा करना जरूरी है। सरकार के साथ समाज भी जब ऐसे कार्यक्रमों के लिए आगे आएगा, तभी देश का संपूर्ण विकास संभव है। इस विकास को हमें क्रियाशील बनाना ही होगा।

अमित बैजनाथ गर्ग

राजेश श्रीवास्तव

"कश्मीरी पंडित"

कश्मीरी पंडित, जिन्हें कश्मीरी ब्राह्मण भी कहा जाता है, कश्मीर घाटी के मूल हिंदू निवासी हैं और भारतीय उपमहाद्वीप के सारस्वत ब्राह्मण समुदाय का हिस्सा हैं। उनका इतिहास हजारों साल पुराना है और प्राचीन काल से वे इस क्षेत्र की सांस्कृतिक, धार्मिक और बौद्धिक परंपराओं के संवाहक रहे हैं। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक के समय बौद्ध धर्म का प्रभाव बढ़ा, लेकिन पंडितों ने अपनी वैदिक परंपराओं को संरक्षित रखा। कश्मीरी समाज में महिलाओं को अपेक्षाकृत उच्च सम्मान प्राप्त था, जो उस समय के अन्य क्षेत्रों से अलग था। मध्यकाल में, 14वीं शताब्दी से मुस्लिम शासकों का प्रभाव बढ़ने के साथ ही कश्मीरी पंडितों का पहला बड़ा पलायन देखा गया। सुल्तान सिकंदर बुतशिकन (1389-1413) के शासन में मूर्ति-भंजन और जबरन धर्मांतरण की नीतियों ने उन्हें घाटी छोड़ने या इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया। इतिहासकारों का मानना है कि कश्मीर से उनका विस्थापन सात बार हुआ। डोगरा शासन (1846-1947) के दौरान वे प्रशासन और शिक्षा में प्रभावशाली रहे, लेकिन 1950 के भूमि सुधारों ने उनकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी आबादी का 20% हिस्सा घाटी से बाहर चला गया। 1947 में भारत की आजादी और जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के बाद घाटी का सामाजिक ताना-बाना बदलने लगा। 1980 के दशक तक कश्मीरी पंडित घाटी की आबादी का लगभग 5% थे। लेकिन 1989-90 में इस्लामी उग्रवाद के उभार ने उनकी स्थिति को पूरी तरह उलट दिया। जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (खडछत्र) और हिज्ब-उल-मुजाहिदीन जैसे संगठनों ने भारत विरोधी भावनाओं को हवा दी और पंडितों को निशाना बनाया। 19 जनवरी 1990 की रात मस्जिदों से ऐलान हुआ कि उन्हें घाटी छोड़ने, इस्लाम अपनाने या मरने का विकल्प दिया जाए। इस घटना ने 1,00,000 से 3,00,000 पंडितों को घाटी से विस्थापित कर दिया, जो आजादी के बाद सबसे बड़े विस्थापनों में से एक था। पलायन के कारण बहुआयामी थे। 1980 के दशक में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का बढ़ना एक प्रमुख वजह था, जिसने घाटी में अस्थिरता पैदा की। दूसरा, स्थानीय प्रशासन और केंद्र सरकार की निष्क्रियता ने स्थिति को बिगाड़ा। उस समय विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार थी, जिसे बीजेपी का समर्थन प्राप्त था, और मुफ्ती मोहम्मद सईद गृह मंत्री थे। तत्कालीन राज्यपाल जगमोहन पर भी पलायन को रोकने में विफलता का आरोप लगा। कुछ का मानना है कि जगमोहन ने पंडितों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी, लेकिन इसे नियोजित पलायन के रूप में भी देखा जाता है। बीजेपी पर आरोप है कि उसने उस समय समर्थन वापस लेकर स्थिति को संभालने की कोशिश नहीं की। यदि बीजेपी ने समर्थन वापस लिया होता, तो शायद सरकार गिर जाती और केंद्र द्वारा सीधे हस्तक्षेप से परिदृश्य कुछ और होता। हालांकि, यह काल्पनिक विश्लेषण मात्र है। बीजेपी का दावा है कि वह सत्ता में नहीं थी और उसकी भूमिका सीमित थी। फिर भी, पार्टी ने कश्मीरी पंडितों के मुद्दे को अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया और उनकी घाटी में वापसी का वादा बार-बार दोहराया। 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने का निर्णय बीजेपी की इस नीति का सबसे बड़ा कदम था। सरकार का तर्क था कि यह कश्मीर को मुख्यधारा में लाएगा और पंडितों के पुनर्वास का मार्ग प्रशस्त करेगा। लेकिन विपक्ष इसे सेलेक्टिव राजनीति का हिस्सा मानता है, क्योंकि यह मुद्दा हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण को बढ़ावा देता है, जो बीजेपी के लिए चुनावी लाभकारी रहा। फिल्म "द कश्मीर फाइल्स" (2022) को बीजेपी शासित राज्यों में कर-मुक्त करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसका समर्थन इस नीति का उदाहरण माना जाता है। बीजेपी ने पंडितों की पीड़ा को भावनात्मक रूप से भुनाया, लेकिन ठोस पुनर्वास के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए। अनुच्छेद 370 हटने के बाद सरकार ने पंडितों के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। 2019 से 2023 तक 1,697 विस्थापित कश्मीरी पंडितों को सरकारी नौकरियां दी गईं और 1,140 का चयन हुआ। प्रधानमंत्री विकास पैकेज-2015 के तहत 520 प्रवासी कश्मीर लौटे। 9 पंडितों को उनकी संपत्ति वापस मिली। जम्मू में 5,242 आवास बनाए गए और प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये की सहायता दी गई। छात्रों के लिए 1,168 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप भी प्रदान की गई। हालांकि, ये आंकड़े कुल 44,684 पंजीकृत विस्थापित परिवारों की तुलना में नगण्य हैं। 2021 तक केवल 3,800 युवा घाटी में लौटे, ज्यादातर नौकरी के लिए। 2022 में राहुल भट्ट जैसे टारगेट किलिंग की घटनाओं ने फिर से डर पैदा किया, जिसके चलते कई परिवारों ने दोबारा पलायन किया। 2023 और 2024 में आतंकी हमलों की छिटपुट घटनाएं जारी रहीं। सरकार का दावा है कि घाटी में आतंकवाद कम हुआ है, लेकिन पंडितों के लिए पूर्ण सुरक्षा की गारंटी अब भी अधूरी है। अप्रैल 2025 तक घाटी में उनकी संख्या 3,500 से 4,000 के बीच बनी हुई है। पुनर्वास की गति धीमी रही है। 2025 तक सरकार ने 6,000 और आवास बनाने की योजना शुरू की, लेकिन केवल 1,200 पूरे हुए। नौकरियों का वादा भी धीरे-धीरे पूरा हो रहा है। ज्यादातर विस्थापित पंडित जम्मू, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों में बिखरे हैं। जम्मू में उनकी सबसे बड़ी संख्या (लगभग 60%) है, जबकि शेष 40% देश के 15 से अधिक राज्यों में फैले हैं। उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय बनी हुई है, खासकर जम्मू के शरणार्थी शिविरों में रहने वालों की। विस्थापित पंडितों की युवा पीढ़ी अपनी कश्मीरी भाषा और पहचान से कट रही है। सांस्कृतिक संकट गहराता जा रहा है और घाटी से उनका संबंध धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। कश्मीरी पंडितों का इतिहास गर्व और पीड़ा का संगम है। उनके पलायन की जिम्मेदारी आतंकवाद, प्रशासनिक नाकामी और राजनीतिक अवसरवाद पर जाती है। बीजेपी ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया, लेकिन इसे सेलेक्टिव राजनीति का हिस्सा मानने वाले इसे भावनात्मक शोषण कहते हैं। 5 अगस्त 2019 के बाद कुछ कदम उठे, लेकिन अप्रैल 2025 तक न तो उनकी बड़े पैमाने पर वापसी हुई और न ही सुरक्षा की पूर्ण गारंटी मिली। देश के विभिन्न राज्यों में बिखरे पंडित अपनी जड़ों से जुड़ने की उम्मीद रखते हैं। इसके लिए सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सांस्कृतिक संरक्षण पर केंद्रित ठोस नीति की जरूरत है। बीजेपी का यह वादा कितना साकार होगा, यह भविष्य पर निर्भर है। कश्मीरी पंडितों की कहानी अभी अधूरी है, और उनकी वापसी का सपना एक लंबी यात्रा की प्रतीक्षा में है। कश्मीरी पंडितों की इस यात्रा को पूर्णता तक पहुंचाने के लिए सरकार को केवल घोषणाओं से आगे बढ़कर व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ घाटी में आर्थिक अवसर और सामाजिक स्वीकार्यता को बढ़ावा देना जरूरी है। साथ ही, उनकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के लिए विशेष प्रयास होने चाहिए, जैसे कश्मीरी भाषा और परंपराओं को स्कूलों में बढ़ावा देना। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक समग्र योजना लागू करें, जिसमें स्थानीय समुदायों का सहयोग भी शामिल हो, तो शायद वह दिन दूर नहीं जब कश्मीरी पंडित फिर से अपनी मातृभूमि में सम्मान और शांति के साथ बस सकें। यह न केवल उनकी वापसी होगी, बल्कि कश्मीरियत की सच्ची जीत होगी।

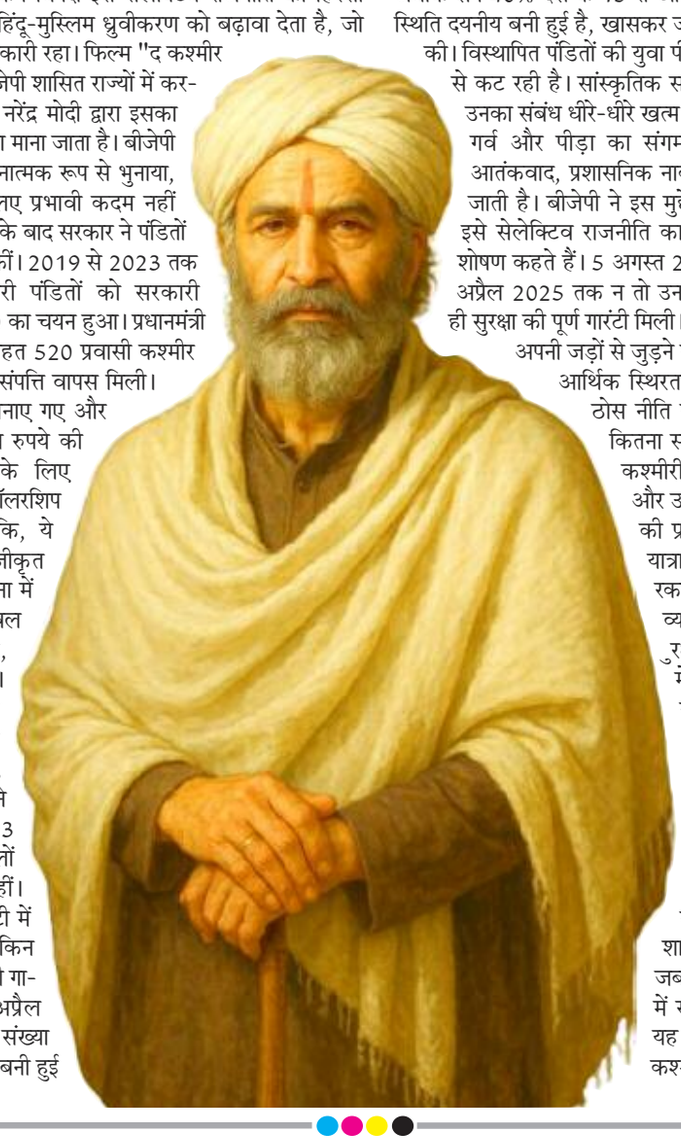

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है। इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता। शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है। इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

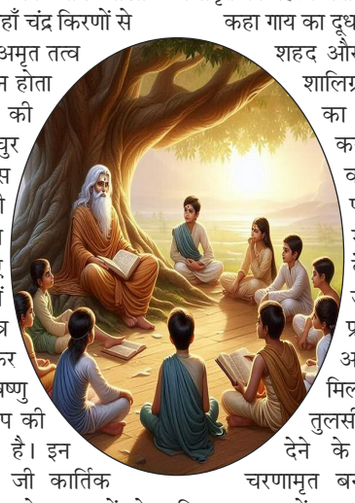

संक्षिप्त डायरी

भाजपा ने अपनी गरीब विरोधी सोच के चलते ईडल्यूएस प्रमाणपत्र बनवाने बंद किए : आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार द्वारा अचानक से ईडल्यूएस सर्टिफिकेट बंद कर दिए जाने पर करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज का कहना है कि दिल्ली सरकार का यह फैसला सरकार की नियत पर सवाल खड़े करता है हमारे समय में इस स्कीम को लागू किया गया था जिसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निजी स्कूलों में 25 फीसदी जबकि विश्विद्यालयों में 10 फीसदी आरक्षण तय करता था। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब स्कूलों और कॉलेजों में दाखिले हो रहे हैं या होने जा रहे हैं। सरकार के इस निर्णय ने दिल्ली के हजारों बच्चों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। साधारण सी बात है कि जब सर्टिफिकेट नहीं बनेगा तो कोई भी कमजोर वर्ग का व्यक्ति यह कैसे साबित करेगा कि वह आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। आदेश भारद्वाज कहते हैं न सिर्फ स्कूल बल्कि इस कोटे के तहत निजी अस्पतालों में भी बेड आरक्षित रहते हैं। बिना प्रमाणपत्र उसका इलाज कैसे होगा? सरकार यह कहकर पीछा नहीं छुड़ा सकती कि प्रमाणपत्र जारी करने में धांधली हुई है। या धांधली में पूर्व की सरकार को दोष देकर नहीं बचा जा सकता। सीधी सी बात है.. अगर ऐसी कोई धांधली हुई है तो उसकी जांच करवाई जाए। इस तरह के प्रमाणपत्र एस.डी.एम. द्वारा जारी किए जाते हैं। सरकार यह बताए कि कितने अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की गई। सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक बनाकर गरीबों से उनका हक छीनना चाहती है। यह एस.टी.एस.सी. और ओबीसी आरक्षण छीनने की शुरूआत है। योंकि आरक्षित वर्ग के लिए बजट में कटौती करके इसका इशारा सरकार पहले ही दे चुकी है, और अब इस तुगलकी फरमान से सीधे सीधे स्कूलों और अस्पतालों को लाभ पहुंचेगा गरीबों को सिस्टम से बाहर कर निजी संस्थानों को लूट की छूट देने का प्रयास है।

सामाजिक न्याय और समानता के पक्षधर थे डॉ.भीमराव अबेडकर : परमानन्द शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ.भीमराव अबेडकर के योगदान को कभी भी नहीं भुलाया जा सकता। वे केवल दलित वर्ग के ही नहीं अपितु समस्त समाज के हित में सोचते थे और उन्होंने समानता के पक्ष में जोरदार तरीके से आवाज उठाई। यह कहना है कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम नगर वार्ड से नगर निगम का चुनाव लड़े परमानन्द शर्मा का। परमानन्द शर्मा नें डॉ.अबेडकर की जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें श्रधा सुमन करते हुए कहा डॉ. भीम राव अबेडकर सामाजिक न्याय और समानता के पक्षधर थे, उन्होंने दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के उत्थान के लिए अथक प्रयास किए और उन पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, उन्हें शिक्षा के माध्यम से जीवन की मु यधारा में लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अबेडकर, जो भारतीय संविधान के निमार्ता थे, जिसे दुनिया भर में एक पवित्र दस्तावेज माना जाता है, ने संविधान में हाशिए पर पड़े लोगों के खिलाफ भेदभाव और अन्याय को मिटाने, उन्हें समान और गरिमा के साथ जीवन में आगे बढड्ढे के समान अवसर देने के प्रावधान किए। परमानन्द शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार संविधान को नष्ट करने तथा समाज के वंचित वर्गों के लिए आरक्षण को कमजोर करने, चुनाव आयोग, संसद में विपक्ष की आवाज सहित सभी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने, विपक्षी दलों तथा नेताओं और भाजपा सरकार के उत्पीडड्ड तथा कुकृत्यों के खिलाफ आवाज उठाने वालों को परेशान करने के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके आरएसएस के एजेंडे को लागू करने का व्यवस्थित प्रयास कर रही है। परमानन्द शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी तथा उसके नेता हमेशा भाजपा तथा आरएसएस के नापाक इरादों तथा कुकृत्यों के खिलाफ खड़े रहे हैं तथा देश पर उनके खतरनाक विभाजनकारी कदमों को थोपने के खिलाफ लगातार संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा विपक्ष के नेता राहुल गांधी की पहल पर अहमदाबाद में हाल ही में हुए कांग्रेस अधिवेशन में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा समाज के अन्य वंचित वर्गों की रक्षा तथा उत्थान का संकल्प लिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित तेलंगाना सरकार ने पिछड़े वर्गों को शिक्षा तथा रोजगार में समाज की मु यधारा में लाने के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है।

निजी स्कूलों को फायदा पहुंचाने के लिए ईडल्यूएस प्रमाण पत्र बनाने पर रोक लगायी गयीः आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आर्थिक रूप से कमजोर (ईडल्यूएस) वर्ग के प्रमाणपत्र बनाने पर रोक को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने साारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी अस्पतालों और स्कूलों को लाभ पहुंचाने के लिए मु यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने यह निर्णय किया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली में शासन और प्रशासन चलाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। मु यमंत्री ने आदेश दिया है कि अब राजधानी में ईडलूएस के प्रमाणपत्र नहीं बनाए जाएंगे। उन्होंने चेताया कि इस फैसले का सीधा असर उन छात्रों और मरीजों पर पड़ेगा जो स्कूल, कॉलेज और अस्पतालों में ईडलूएस आरक्षण के तहत लाभ उठाते हैं। 'आप नेता ने कहा, 'सरकार ने स्कूल-कॉलेजों में 10 प्रतिशत ईडलूएस आरक्षण लागू किया हुआ है। अगर प्रमाणपत्र नहीं बनेंगे तो लाखों छात्रों को दाखिले में मुश्किल होगी। अस्पतालों में भी ईडल्यूएस प्रमाणपत्र के आधार पर इलाज मिलता है, लेकिन अब यह संभव नहीं हो पाएगा।'उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के इस 'तुगलकी फरमान से न सिर्फ बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा, बल्कि जिन लोगों को नौकरियों में ईडलूएस आरक्षण मिलना था, उन्हें भी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने भाजपा पर निजी स्कूलों और अस्पतालों को फायदा पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप भी लगाया। सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'अगर कुछ ईडल्यूएस प्रमाणपत्र गलत बने हैं, तो सरकार बताए कि कितने एसडीएम और डीएम पर कार्रवाई की गई? अपने अधिकारियों की गलती की सजा आम जनता को यों दी जा रही है?

फिल्म केसरी चैप्टर-2 देखने केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई दिग्गज पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलियांवाला बाग नरसंहार पर बनी अक्षय कुमार की फिल्म केसरी चैप्टर 2– जलियांवाला बाग की अनकही कहानी सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इससे पहले दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित पीवीआर ईसीएक्स में इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग की गयी। इस दौरान इस फिल्म को देखने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद अनुराग ठाकुर, बांसुरी स्वराज, दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और मंजिंदर सिंह सिरसा समेत कई दिग्गज पहुंचे। स्पेशल स्क्रीनिंग के बाद अभिनेता अक्षय कुमार दिल्ली सचिवालय पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात कर फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने का अनुरोध किया।

फिल्म जलियांवाला बाग में हुए सामूहिक हत्याकांड और उसके बाद के घटनाक्रम पर आधारित है। अक्षय कुमार इसमें सी शंकरन नायर की भूमिका निभा रहे हैं जिन्होंने इस हत्याकांड में पीड़ितों के पक्ष में कोर्ट में केस लड़ा था। फिल्म को देखने के बाद सभी गणमान्य व्यक्तियों ने इसकी प्रशंसा की और कहा कि इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम और व्यक्ति ऐसे हैं जिनके बारे में कभी स्कूलों में पढ़ाया नहीं गया। स्वयं अक्षय कुमार ने कहा कि वे फिल्म के निर्माण के पहले नायर के बारे में नहीं जानते थे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि देश के युवाओं को ऐसी फिल्म देखनी चाहिए और इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। मुश्किल हालात में भी कुछ लोग खड़े रहे जिसके चलते आज देश का आत्मविश्वास मजबूत हुआ है। कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी शंकरन नायर का अपने भाषण में जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने परिवार को बढ़ावा देने में इतनी व्यस्त रही है कि उन्होंने बड़ी वास्तविकता की दृष्टि खो दी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि फिल्म हमें ऐसे रोमांचक घटनाक्रम के बारे में बताती है जिसे इतिहास के पन्नों में कहीं खो दिया गया था। वहीं मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि फिल्म में अनकहा सच सबके सामने लाया गया है। दोनों नेताओं ने फिल्म निर्माताओं और अभिनेता अक्षय कुमार के काम की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले किया था शंकरन नायर का जिक्रप्रधानमंत्री ने एक दिन पहले यानी सोमवार को हरियाणा के यमुनानगर में जालियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर शहीद देशभक्तों को नमन करने के साथ ही उस समय विरोध स्वरूप वायसराय की परिषद से इस्तीफा देकर अंग्रेजों को कोर्ट में चुनौती देने वाले शंकरन नायर को याद किया था।

उन्होंने कहा कि शहीद देशभक्तों और अंग्रेजों की क्रूरता के अलावा एक और पहलू है जिसे पूरी तरह अंधेरे में डाल दिया गया था। ये पहलू मानवता के साथ देश के साथ खड़े होने के बुलंद जज्बे का है। इस बुलंद जज्बे का नाम शंकरन नायर था। नायर

एक प्रसिद्ध वकील थे और उस जमाने में अंग्रेजी सरकार में बहुत बड़े पद पर विराजमान थे, लेकिन वे विदेशी शासन की क्रूरता के विरुद्ध जालियांवाला बाग हत्याकांड से व्यथित होकर मैदान में उतर गए। उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध आवाज उठायी। उन्होंने उस बड़े पद को छोड़ दिया और जालियांवाला बाग हत्याकांड का केस अपने दम पर लड़े, अंग्रेजी साम्राज्य को हिला कर रख दिया। आज यही प्रेरणा विकसित भारत की यात्रा में बहुत बड़ी ताकत है।

विस्थापन, पहचान और पुनर्वास की गहन पड़ताल पर डीयू के सीआईपीएस द्वारा संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के 'सेंटर फॉर इंडिपेंडेंस एंड पार्टीशन स्टडीज' और भारती कॉलेज के राजनीतिक विज्ञान विभाग एवं पंजाबी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'बॉर्डर्स एंड बाउंड्रीजः डिस्प्लेसमेंट, आइडेंटिटी एंड रिसेटलमेंट' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने ऐतिहासिक विभाजन के प्रभावों और उसकी विरासत पर एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संगोष्ठी के माननीय अतिथि प्रो. श्री प्रकाश सिंह (निर्देशक दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने ÷विस्थापित÷ शब्द की व्याख्या करते हुए इसे केवल भौगोलिक घटना न मानकर मानवता के दर्द का प्रतीक बताया।

प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने सर सैयद अहमद खान के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सांस्कृतिक और राजनीतिक मतभेदों ने विभाजन को अपरिहार्य बना दिया। जिन्होंने विभाजन को एक सांस्कृतिक और भावनात्मक अनुभव के रूप में परिभाषित करते हुए इसके ऐतिहासिक पक्षों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान सीआईपीएस के निदेशक प्रो. रविंदर कुमार ने संगोष्ठी का उद्देश्य स्पष्ट किया। मुख्य अतिथि डॉ. स्वप्न दासगुप्ता ने बंगाली संस्कृति और विभाजन के सांस्कृतिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, ÷विभाजन क्षेत्रीय और राजनीतिक हो सकता है, लेकिन संस्कृति को विभाजित नहीं किया जा सकता। ' उन्होंने बंगाली नव वर्ष की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम के आरंभ में भारती कॉलेज की प्राचार्य प्रो. सलोनी गुप्ता ने स्वागत किया। प्रो. हिमांशु प्रसाद रॉय की अध्यक्षता में हुई पैनल चर्चा में, प्रो. अमृत कौर बसरा ने ऐतिहासिक विभाजन की तारीखों और कहानियों पर गहरा प्रकाश डाला। प्रो. भुवन झा ने 1930-1948 के बीच की घटनाओं का उल्लेख करते हुए जिन्ना और गांधी के बीच के पत्राचार की राजनीतिक गहराई को उजागर किया। डॉ. वरुण गुलाटी ने ÷फूट डालो और राज करो' की ब्रिटिश औपनिवेशिक रणनीति की आलोचना की और कहा कि विभाजन साम्राज्यवादी हितों को बनाए रखने के लिए राजनीतिक रूप से किया गया था। प्रो ज्योति त्रिहन शर्मा ने संगोष्ठी का समापन करते हुए इसे एक ऐतिहासिक चेतना जागरूक करने वाला प्रयास बताया। मध्यांतर के दौरान डॉक्यूमेंट्री और अंत में ÷गूंजती खामोशी÷ नामक नाटक प्रस्तुत की गई, जिसने विभाजन पीड़ितों के दर्द को जीवंत कर दिया। यह संगोष्ठी विभाजन के शारीरिक और मानसिक पहलुओं के गहन विश्लेषण का माध्यम बनी। वक्ताओं ने ऐतिहासिक दस्तावेजों, कहानियों और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से बताया कि कैसे विभाजन ने व्यक्तियों और समाज को बदला। दिल्ली विश्वविद्यालय और भारती कॉलेज का यह संयुक्त प्रयास विभाजन और विस्थापन जैसे गहन विषयों पर संवेदनशीलता और ऐतिहासिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

अखिल दिल्ली प्राथमिक शिक्षक संघ को गोल्डन जुबली वर्ष में मिली महिला महासचिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज दिल्ली के प्राथमिक शिक्षकों के सबसे बड़े संगठन अखिल दिल्ली प्राथमिक शिक्षक संघ की कार्यकारिणी के चुनाव जनकपुरी में स्थित शिक्षक भवन में सम्पन्न हुए। 1975 में स्थापित संगठन को 50 वे स्वर्णिम वर्ष में महिला महासचिव के रूप में निशा दहिया को चुना गया। अखिल दिल्ली प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अरविन्द मिश्र ने बताया कि कार्यकारिणी के चुनाव के लिए जनरल कौंसिल की बैठक बुलवाई गई थी। इसमे दिल्ली नगर निगम के सभी जोन के शिक्षक पधाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। चुनाव के लिए राजपाल सिंह सेहरावत, उप निदेशक (शिक्षा, दिल्ली सरकार) से सेवानिवृत , एवं जीएसटीए के पूर्व सचिव को मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया गया जिनकी देख रेख में यह कार्य सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम संघ के महासचिव डॉ रामचंद्र डबास ने संघ के इतिहास एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघ ने 5वे, 6वे , एवं 7 वे वेतन आयोग के सामने शिक्षकों का प्रतिनिधित्व किया और अपना पक्ष रख कर ज्ञापन दिया एवं सम्मानजनक वेतनमान दिलवाया। शिक्षकों को पहले छ्क्क नहीं मिलती थी, उसे भी लगातार प्रयास के बाद लागू करवाया। प्राथमिक अध्यापकों के नाम के सामने से सहायक शब्द हटवाया। एवं प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक शब्द को को प्रधानाचार्य में परिवर्तित करवाया। इसके अतिरिक्त महिला शिक्षिकाओं कि क्ल्ह ड्यूटी को हटाने में भी महत्तवपूर्ण भूमिका रही। शिक्षक हित के लिए संघ के संघर्ष का इतिहास बहुत लंबा रहा है उन्होंने शिक्षकों एवं शिक्षा के हित के लिए हमेशा प्रयास किया है। इसके बाद उन्होंने कहा कि 1992 से लेकर अब तक लगभग 33 वर्ष उन्होंने संघ के महासचिव की जिम्मेदारी संभाली है और वो अब अपनी इस जिम्मेदारी को नई पीढ़ी को सौंपते हुए पूरी कार्यकारिणी को भंग करते हैं। इसके पश्चात शांतिपूर्वक सम्पन्न हुए चुनाव में संघ के अध्यक्ष के रूप में अरविन्द मिश्रा एवं महासचिव निशा दहिया को चुना गया। कार्यकारिणी को सलाह देने एवं सुचारु रूप से कार्य करने के लिए एक सलाहकार समिति का गठन किया गया जिसमे डॉ राम चंद्र डबास को चेयरमेन बनाया गया। महिला कार्यकारिणी अध्यक्ष के रूप में सीमा माथुर, संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र धनकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनीता रानी, देवेन्द्र सिंह नैन, गोविंद प्रसाद अरजरिया, एवं विनोद शर्मा, संयुक्त महासचिव नवीन सांगवान, उप महासचिव दीपक पंत, सचिव नरेश भारद्वाज, सुशील शर्मा, शालिनी, एस. के . झा, शैलेन्द्र भुक्कल , कार्यालय सचिव रमेश द्विवेदी , प्रचार सचिव शमसुद्दीन, कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह को चुना गया। इनके अतिरिक्त अन्य पदों के लिए भी चुनाव सम्पन्न हुए। कार्यकरिणी के सभी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की एवं शिक्षा, शिक्षार्थी और शिक्षक हित के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करने का वादा किया। अंत में डॉ रामचंद्र डबास ने सभी को स्मृति चिन्ह एवं उपहार प्रदान किए।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी दिवस को समर्पित सहज पाठों की शुरुआत

–लाखों की संख्या में संगतें सहज पाठों की श्रृंखला में शामिल हुईं- हरमीत सिंह कालका, जगदीप सिंह काहलों, जसप्रीत सिंह करमसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा नौवें पातशाह गुरु तेग बहादुर साहिब जी और उनके साथ शहीद हुए भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दियाला जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सहज पाठों की श्रृंखला आज यहां भाई लखी शाह वंजारा हॉल, गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में शुरू की गई। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों, धर्म प्रचार कमेटी के मुखी जसप्रीत सिंह करमसर और सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी सहित बड़ी संख्या में शख्सियतें और आम संगत ने श्री सहज पाठ की आरंभता पाठ कर के भाग लिया।

समागम को संबोधित करते हुए सरदार हरमीत सिंह कालका, सरदार जगदीप सिंह काहलों और सरदार जसप्रीत सिंह करमसर ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि आज हजारों की संख्या में संगत यहां सहज पाठ की आरंभता के मौके पर उपस्थित हुई। उन्होंने बताया कि 25 नवंबर को शहादत की 350वीं वर्षगांठ पर इस सहज पाठ की समाप्ति गुरुद्वारा शीश गंज साहिब में होगी।

उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की भी खुशी है कि अखंड कीर्तन जत्थे, सिंह सभाएँ और अन्य सिख संस्थाओं ने इस मुहिम में बढ़-चढ़ कर सहयोग दिया है और बड़ी संख्या में संगत ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। उन्होंने संगतों से अपील की कि जो संगतें पाठों के लिए सैंचियों की ज़रूरत महसूस करती हैं, वे अपनी-अपनी रजिस्ट्रेशन दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पास करवाएं ताकि सैंचियों का दूसरा भाग संगत तक पहुँचाया जा सके।

उन्होंने संगत से यह भी अपील की कि 18 अप्रैल को गुरु तेग बहादुर साहिब जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में दोपहर 3 बजे से देर रात तक रूहानी कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। इसी प्रकार 19 और 20 अप्रैल को दिल्ली फतह दिवस मनाया जाएगा। 19 अप्रैल को लाल किले पर कीर्तन दीवान सजाया जाएगा और 20 अप्रैल को जनैली मार्च होगा जो लाल किले पर जाकर समाप्त होगा।

नन्द नगरी में निकाली गई शोभायात्रा : दिवेश पारस

नई दिल्ली। नन्द नगरी में डॉ भीमराव अंबेडकर विचार मंच द्वारा शोभा यात्रा निकली गई यात्रा नन्द नगरी के सी–2 ब्लॉक से निकाली गई यात्रा नन्द नगरी के सभी मुख्य मार्ग से होते हुए पंचशील बुद्ध विहार होते हुए शाम 6 बजे समाप्त हुई इस यात्रा का आयोजन डॉ भीमराव अंबेडकर विचार मंच की संरक्षक नीलम चौधरी, अध्यक्ष दिवेश कुमार पारस, मनोज वरुण, निखिल सागर, निखिल पीपल, गुलशन कुमार डॉक्टर अनिल कुमार, रत्न सिंह राजकुमार, दिनेश कुमार आशीष कुमार दीपक कुमार मनु कुमार, रविंद्र कुमार कृपाल सिंह भारत कुमार शिवम कुमार पीयूष वरुण दीपचंद सी ब्लॉक के सभी लोगों ने किया इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ प्रदीप कुमार, निगम पार्षद रमेश कुमार बिसाइयाई पूर्व पार्षद कुमारी रिंकू ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप भाटी सभी ने यात्रा को हरी झंडी दे शुरुआत की।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने ओडिशा के मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से ई-विधान के क्रियान्वयन पर की व्यापक चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और उनके प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को तीन दिवसीय ओडिशा दौरे पर हैं। विजेंद्र गुप्ता और साथ गए प्रतिनिधि मंडल ने आज ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति, विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी और मुख्यमंत्री मोहन चरन मांझी से मुलाकात की।

विजेंद्र गुप्ता ने सुरमा पाढ़ी से मुलाकात कर दिल्ली विधानसभा को पेपरलेस बनाने संबंधी योजना पर विस्तृत चर्चा की। ई-विधान मॉडल के क्रियान्वयन पर हुई इस चर्चा में सुरमा पाढ़ी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा को कागजमुक्त बनाने के प्रयासों में ओडिशा विधानसभा हर संभव मदद करेगी। पाढ़ी ने हाल ही में ई-विधान लागू करने वाली ओडिशा विधानसभा के अनुभवों को भी साझा किया।

गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा को पूर्णतः सौर ऊर्जा संचालित करने संबंधी योजना को डॉ. हरि बाबू कंभमपति से साझा किया। उन्होंने बताया कि योजना के पूर्ण होने से दिल्ली विधानसभा जल्द ही

550 किलोवॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन करेगी। इस प्रयास से दिल्ली विधानसभा प्रतिमाह 15 लाख रुपये बिजली व्यय की बचत करेगी।

डॉ.कंभमपति ने दिल्ली विधानसभा के प्रौद्योगिकी और पर्यावरण दोनों को साथ लेकर चलने के प्रयासों की सराहना की। कंभमपति ने कहा कि वे भी दिल्ली विधानसभा की तर्ज पर राजभवन में सौर ऊर्जा प्रणाली को अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा को इसके दूरगामी लाभ होंगे। दिल्ली विधानसभा के इन प्रयासों से देश की अन्य विधानसभाएं भी प्रेरित होंगी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरन मांझी ने प्रतिनिधि मंडल से भेंट की। मुख्यमंत्री ने ओडिशा विधानसभा में डिजिटल अटेंडेंस प्रणाली के उपयोग और उसके महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सदन में सदस्य डैशबोर्ड पर स्वयं अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा विधानसभा के सारी कार्रवाई डैशबोर्ड पर विस्तृत और क्रमबद्ध रूप से आ जाती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस तकनीक के उपयोग से किसी प्रकार के कागज के इस्तेमाल की कोई आवश्यकता नहीं होती। पेपरलेस विधानसभा के क्रियान्वयन में यह तकनीक महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है।

दिल्ली विधानसभा प्रतिनिधिमंडल अपने तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर ओडिशा विधानसभा द्वारा ई विधान लागू करने के उनके प्रयासों और अनुभवों को जानेगा। यह अध्ययन दौरा दिल्ली विधानसभा द्वारा ई-विधान परियोजना के क्रियान्वयन में लाभकारी सिद्ध होगा। दिल्ली विधानसभा प्रतिनिधि मंडल में विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारीगण और ई विधान परियोजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल हैं।

दिल्ली में द्वितीय दांगी पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राष्ट्रपति भवन परिसर के नार्थ अवेन्यू रोड पर स्थित एमपी क्लब में रंगारंग कार्यक्रम के साथ दांगी समाज का द्वितीय पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न हुआ। इस वार्षिक समारोह में दिल्ली एनसीआर में रहने वाले दांगी समाज के 75 फ़ैमिली से महिलाओं एव बच्चों सहित लगभग 200 लोगों ने भाग लिया. यह पारिवारिक मिलन समारोह दिल्ली एनसीआर में रहने वाले दाँगी समाज के फ़ैमिली ख़ासकर महिलाओं और बच्चों के बीच आपसी जान पहचान बढ़ाने एव सामाजिक एव पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस समारोह की सबसे ख़ास बात यह है कि समारोह में शामिल होने वाले सभी परिवार की महिलाओं ने अपने परिवार के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की, जिसमें उनका अपना पेशा, उनके पति का पेशा, उनके बच्चों की शिक्षा और रोजगार या नौकरी की जानकारी और दिल्ली तथा बिहार के निवास स्थान के बारे में जानकारी दी गई। इस समारोह की एक और ख़ासियत यह है कि इस समारोह का संचालन पूर्णत: समाज की महिलाओं द्वारा किया गया। इस मिलन समारोह में छोटे बच्चों के लिए पेंटिंग कम्पटीशन का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 25 बच्चों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा कुछ बच्चों ने डांस के द्वारा और भाषण के द्वारा सबों को मंत्रमुग्ध किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में अब्बल आने वाले प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को विशेष पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा समारोह में शामिल हुए सभी बच्चों को भो उपहार दिया गया। श्रीमती अनुपमा दांगी ने अपनी मधुर आवाज़ में गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा बहुत सारे बच्चों ने डांस प्रस्तुत किया और अपनी मधुर आवाज से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। समारोह में सम्मिलित सभी फैमिली को सम्मान चिह्न के रूप में मोमेंटो से सम्मानित किया गया। इस मोमेंटो की ख़ासियत यह थी कि प्रत्येक परिवार के मोमेंटो में उनका फोटो के साथ उनका नाम भी लिखा गया था। सभी लोगों ने इसे बहुत पसंद किया। मोमेंटो के साथ सभी फ़ैमिली को श्री उत्कर्ष प्रतीक के ग्लोबल वेंचर, एक एक्सपोर्ट कंपनी 'एडोबर्ग' की तरफ से भी एक विशेष गिफ्ट भेंट किया गया।

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में भीषण आग

एक की मौत,पीठ पर मरीजों को लादकर भागे परिजन

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तर प्रदेश के सरकारी लोकबंधु अस्पताल की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। अंबेडकर जयंती होने के चलते अस्पताल के अधिकांश प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे। आग जिस मंजिल पर लगी, वहां फीमेल मेडिसिन, कउव और लऊवजैसे वार्ड हैं। केवल इस फ्लोर पर 40 से 50 मरीज भर्ती थे, साथ ही उनके तीमारदार भी मौजूद थे। आग की वजह से पूरे अस्पताल में धुआं भर गया। बिजली कटने से चारों ओर अंधेरा छा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद मौके से ऑन ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ भाग गए। तीमारदारों ने जान की परवाह किए बिना मरीजों को बचाने में मदद की। उन्होंने मरीजों को पीठ पर लादकर बाहर निकाला। फायर ब्रिगेड की टीम कांच तोड़कर अंदर दाखिल हुई। सीढ़ियों और क्रेन की मदद से लोगों को बाहर निकाला। 200 मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है। गंभीर रोगियों को सिविल और बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने के कारण कउव में भर्ती 61 साल के मरीज राजकुमार प्रजापति की मौत हो गई, जबकि 26 साल की महिला कांति की हालत नाजुक बनी हुई है। उसका इलाज ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। घटना सोमवार रात 9 बजकर 25 मिनट की है। लोकबंधु अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया- अब तक की छानबीन में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। फिलहाल, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। घटना का सीएम योगी ने संज्ञान लिया। उन्होंने फोन पर अधिकारियों से पूरी जानकारी ली थी।- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया- ग्राउंड फ्लोर पर धुआं दिखा था। अस्पताल के डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने तुरंत मरीजों को वहां से शिफ्ट करना शुरू किया। 200 मरीजों को वहां से शिफ्ट किया गया है। इनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा। 2-3 गंभीर मरीजों को डक्रूटव के कउव वार्ड में शिफ्ट किया गया। सभी लोग सुरक्षित हैं।मरने वाले राजकुमार प्रजापति को 13 अप्रैल को इढलो होने के कारण लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया ऑक्सीजन निकालने के कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई है। मौके से डॉक्टर और स्टाफ भाग गया था। सिर्फ एक एम्पलाई ही अंतिम समय तक था। मृतक के 2 बेटे और 2 बेटी हैं। पत्नी का नाम लक्ष्मी हैं। हुसैनगंज के छितवापुर के रहने वाले हैं। मृतक के साथ मौके पर बेटे दीपेंद्र प्रजापति और दामाद सूरज थे।काकोरी के मरीज रमजान ने बताया कि वह 4 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। अचानक से अस्पताल में भाग शुरू हो गई। इसके बाद सभी मरीज भागने लगे। तीमारदार चीख रहे थे। अंदर बहुत खौफनाक मंजर था। मेरा ऑपरेशन होना था, लेकिन अभी घर जा रहे हैं। बाद में इलाज करवाएंगे। साथ में पत्नी और दो बच्चे भी हैं। हम लोग काफी डरे हुए हैं। अंदर पूरा अंधेरा हो गया था, कुछ समझ नहीं आ रहा था। आग से बचकर बाहर निकले एक अन्य मरीज ने बताया कि हम लोग लेटे थे। अचानक धुआं दिखने लगा। फिर आग की लपटें दिखने लगीं।

संक्षिप्त डायरी

विवादित टिप्पणी के मामले में तीसरी बार टली एमपी/एमएलए कोर्ट के सुनवाई

सुल्तानपुर / भव्य खबर । जनपद के एमपी/एमएलए की विशेष कोर्ट में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले में मंगलवार को सुनवाई थी। जहां वादी मुकदमा भाजपा नेता विजय मिश्रा की ओर से गवाह को पेश होना था। सूत्रों की माने तो गवाह कोर्ट के बाहर टहलता रहा लेकिन वादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय उसे पेश नहीं कर सके। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि कोर्ट में सुनवाई नहीं हुई और विशेष कोर्ट ने अब सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि नियत की है। आपको बताते चलें कि कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मान हानि का परिवाद एमपी/एमएलए कोर्ट में दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने अभद्र टिप्पणी की थी, इससे मैं आहत हुआ हूं। कोर्ट में पांच साल लंबी प्रक्रिया चली, राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 के दो मुचलके पर जमानत दे दी थी। इसके बाद राहुल गांधी को कोर्ट ने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया। दर्जन भर तारीख पड़ने के बाद बीते 26 जुलाई को राहुल कोर्ट में पहुंचे और उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताया, कहा था मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इसके बाद कोर्ट में वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश हुए। वर्ष 2025 के शुरूआत में 2 जनवरी को जिरह पूरी नहीं होने पर कोर्ट ने 10 जनवरी व 22 जनवरी की तारीख नियत की थी, लेकिन इन दोनों ही तिथियों पर अधिवक्ताओं की

लखनऊ नगर निगम सदन में बीजेपी महापौर के सामने बीजेपी के ही पार्षद ने क्यों फाड़ी बजट की कॉपी?

लखनऊ/ भव्य खबर । नगर निगम सदन के दौरान पार्षदों ने जमकर हंगामा किया. इस दौरान जहां समाजवादी पार्टी के पार्षद व भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों के बीच तकरार हुई तो वहीं दूसरी ओर पार्षदों और मेयर के बीच भी टकराहट देखने को मिली. पार्षद निधि को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों ने मेयर पर निशाना साधा. इस दौरान सदन में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद मोंटी सिंह ने बजट कॉपी को फाड़ दिया. हंगामा के दौरान मोंटी ने कहा कि या बजट झूठ है. महापौर ने पार्षद से माफी मांगने को कहाः पार्षद के द्वारा बजट कॉपी को पढ़ने के बाद बीजेपी की मेयर सुषमा खर्कवर ने पार्षद से माफी मांगने को कहा. इसके बाद हंगामा और बढ़ गया. सदन को स्थगित करना पड़ा. हंगामे के बीच भारतीय जनता पार्टी के तमाम पार्षदों ने मेयर को घेरना का प्रयास किया और इस दौरान पार्षदों ने कहा कि पार्षद निधि के मामले में मेयर की मनमानी नहीं चलेगी. पार्षदों ने विल में जाकर खूब हंगामा किया जिसके बाद सदन को स्थगित कर दिया गया. सपा-बीजेपी के पार्षद आमने-सामने आएः बजट सदन के दौरान भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के पार्षद भी आमने-सामने आए. इस दौरान बजट के निर्धारण पर सवाल खड़े करते हुए समाजवादी पार्टी व कांग्रेस के पार्षदों ने बजट के बंदरबाट होने की बात कही जिस पर भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों ने समाजवादी पार्टी व कांग्रेस के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार गिनाएं. सदन में पार्षदों ने अपनी अपनी मांग रखी इस दौरान कांग्रेस के पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि जनता को ऑनलाइन गृहकर जमा करने में जो छूट मिल रही है वह छूट ऑफलाइन टैक्स जमा करने में भी मिलनी चाहिए. सदन में मेयर निधि व पार्षद निधि के द्वारा कराए गए काम पर विधायक व सांसदों के नाम लिखने को लेकर भी पार्षदों ने विरोध जताया. पार्षदों ने कहा कि नगर निगम द्वारा कराए गए कार्यों पर विधायक व सांसद का नाम नहीं लिखा जाना चाहिए यह नगर निगम का कार्य है. इस पर महापौर पार्षद, नगर आयुक्त व चीफ इंजीनियर का नाम लिखा जाना चाहिए. क्या कोई विधायक या सांसद जब अपनी निधि से काम कराता है तो क्या वह मेयर का नाम शिलापट पर लिखता है.तिथि ही नियत हो रही है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला : अब आउटसोर्स परिचालकों का हो सकेगा पारस्परिक स्थानांतरण

गृह जनपद में सेवा देने का मिलेगा मौका

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स परिचालकों को बड़ी राहत दी है। इसके तहत अब आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त परिचालकों का पारस्परिक स्थानांतरण संभव होगा। यह कदम परिचालकों की सुविधा, निगम की कार्यक्षमता और राजस्व में वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अनुपस्थिति और अवकाश लेने की प्रवृत्ति में कमी आएगी

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने घोषणा ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था में परिचालकों को जहां नियुक्त किया जाता है, वहीं पर सेवा देनी होती है। लेकिन अब ऐसे परिचालक, जिन्होंने कम से कम छह माह की सेवा और 30,000 किलोमीटर की दूरी पूरी कर ली है, वे आपसी सहमति से स्थानांतरण करा सकेंगे। इस फैसले से दूरदराज के क्षेत्रों में तैनात परिचालकों को अपने गृह जनपद या उसके समीपस्थ स्थानों पर सेवा देने का अवसर मिलेगा। इससे उनकी अनुपस्थिति और अवकाश लेने की प्रवृत्ति में कमी आएगी, जिससे बसों का संचालन सुगमता से हो सकेगा।

परिचालकों के साथ ही आम जनता को भी मिलेगा सीधा लाभ

परिवहन मंत्री ने बताया कि परिचालकों की नियमित उपलब्धता से कार्यदिवस बढ़ेंगे, बसों की संख्या में इजाफा होगा और इसके परिणामस्वरूप परिवहन निगम की आय में भी वृद्धि होगी। यात्रियों को समय पर और नियमित बसें मिलेंगी, जिससे उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में आसानी होगी। योगी सरकार का यह फैसला न केवल परिचालकों के हित में है, बल्कि इससे आम जनता को भी सीधा लाभ मिलेगा। सरकार का उद्देश्य हर क्षेत्र में पारदर्शिता, सुविधा और विकास को बढ़ावा देना है और यह कदम उसी दिशा में एक और मजबूत प्रयास है।

यूपीपीसीबी में रिक्त पदों को तेजी से भरने की जरूरी, नियमानुसार बोर्ड स्तर से हो कार्यवाहीः मुख्यमंत्री

यूपीपीसीबी में गठित होंगे ठोस, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हैजाड्र्स वेस्ट ई-वेस्ट

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के मंत्र के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पुनर्गठन की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा है कि 1995 में गठन के बाद से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गतिविधियों, क्षेत्र, कार्यप्रकृति में व्यापक परिवर्तन आ चुका है। बदलते समय की आवश्यकताओं के दृष्टिगत इनमें बदलाव किया जाना चाहिए। बुधवार को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के 75 जिलों में 28 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। इन्हें 18 मंडलों पर पुनर्गठित किया जाए, साथ ही, प्रत्येक जनपद में एक-एक कार्यालय स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मंडलों में औद्योगिक गतिविधियां अधिक हैं, वहां एक से अधिक क्षेत्रीय कार्यालय बनाये जा सकते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि नए दौर की पर्यावरणीय चुनौतियों के समुचित समाधान के लिए बोर्ड में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हैजाड्र्स वेस्ट, ई-वेस्ट, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन सेल का गठन किया जाए। इसी प्रकार, लोकशिकायत निवारण हेतु अनुसंधान एवं विकास संबंधी अध्ययन हेतु, पर्यावरणीय जन-जागरूकता तथा प्रकाशन हेतु आई.टी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग हेतु विशेष यूनिट का गठन भी किया जाना चाहिए। इससे बोर्ड की प्रभावशीलता पर सकारात्मक असर पड़ेगा।बैठक में मुख्यमंत्री ने उद्योगों से संबंधित अनापत्ति आवेदन (सीटीओ/सीटीई) निस्तारण के समय को और कम करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लाल, नारंगी तथा हरी श्रेणी के लिए अनापत्ति आवेदन का निस्तारण 120 दिनों में किया जा रहा है। इसे क्रमशः अभी 40, 25 और 10 दिनों में किया जाना चाहिए। इस संबंध में आवश्यक तंत्र विकसित करें। उन्होंने कहा कि रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जाए। बेहतर होगा कि आईआईटी आदि प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों के दक्ष युवाओं को अच्छे पैकेज पर नियुक्ति दी जाए। इस संबंध में नियमानुसार बोर्ड स्तर पर निर्णय लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अनापत्ति एवं सहमति शुल्क में वर्ष 2008 के बाद कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस संबंध में बोर्ड द्वारा गहन विचार-विमर्श कर आवश्यक परिवर्तन किया जाना चाहिए।

जिला कांग्रेस कमेटी में सम्मान समारोह में पहुंचे अमेठी सांसद के एल शर्मा

सुल्तानपुर / भव्य खबर । जिला अध्यक्ष अभिषेक राणा के नेतृत्व में सुल्तानपुर जनपद में जिला कांग्रेस कमेटी में एक सम्मान समारोह में अमेठी सांसद के एल शर्मा का आगमन हुआ और उन्होंने आकर के जो पुराने कांग्रेसी हैं जो वृद्धावस्था में होकर के भी कांग्रेस के लिए समर्पित है और जन-जन तक कांग्रेस की नीतियों और उनके कार्यों को पहुंचा रहे हैं और उनकी मेहनत को देखते हुए जिला अध्यक्ष ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें उन्होंने अमेठी सांसद कल शर्मा को हो बुलाया और और उनके द्वारा लोगों का सम्मान किया गया उनको शॉल पहना कर और फूल माला देकर उनका सम्मान किया गया। शर्मा ने संबोधन में कहां के जितने भी कांग्रेसी हैं सब का सम्मान हमारे लिए पहली प्राथमिकता है यह हमारे परिवार के जैसे हैं इनका सम्मान हमारा सबके लिए जरूरी है अगर आज हम अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ी कांग्रेस पार्टी के लिए क्या सोचेगी। जिला अध्यक्ष प्रत्येक गांव में अपने प्रभारी के साथ जाकर के ऐसे प्रोग्राम को करने करें ताकि कांग्रेस जनों में एक ऊर्जा पैदा हो और उनके सम्मान किया जाए ताकि हमारे आने वाले युवा युवा को को भी कांग्रेस पार्टी के प्रति लगाओ हो और पार्टी के प्रति उनको काम करने की इच्छा हो उन्होंने कहा कि हम अपनी पार्टी के लिए और हर कार्यकर्ता के लिए पदाधिकारी के लिए समर्पित है । मीडिया से बात करते हुए सांसद ने बताया कि भाजपा सरकार जो वक्त पर बल पर की है वह लोगों के लिए सरासर गलत है आज मुसलमान के लिए अगर यह बिल पास हो सकता है तो कल को सिख ईसाई और उसके बाद हिंदुओं के भी मंदिरों को यह टारगेट करेंगे और उनसे उनके अधिकार को छीन लिया जाएगा और यह उद्योगपतियों के लिए किया जा रहा है ।

वीर राणा सांगा का आप पढ़िए इतिहास, स्वतः मिल जाएगा जवाब : के.एल. शर्मा

सुल्तानपुर / भव्य खबर । जनपद में कांग्रेस के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा और शहर अध्यक्ष शकील अहमद के शपथ ग्रहण समारोह में अमेठी कांग्रेस सांसद केएल शर्मा ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यही नहीं शपथ ग्रहण समारोह में स्वागत कार्यक्रम को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव बीपी सिंह, वरिष्ठ नेता प्रमोद मिश्रा, प्रदेश सचिव आजमगढ़ प्रभारी मोहम्मद अनीस खान, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश त्रिपाठी, वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत मिश्रा ने संबोधित किया। उधर सांसद केएल शर्मा ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हुए बवाल के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया। सांसद श्री शर्मा ने कहा कि बीजेपी देश में साम्प्रदायिक दंगे भड़काने और अमन-चैन को तबाह करने वाली पार्टी है।

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान पर उन्होंने कहा कि इस विषय पर अखिलेश यादव से बात करें क्योंकि वे हमारे सहयोगी और बड़े भाई हैं। कांग्रेस संगठन के बारे में श्री शर्मा ने बताया कि अहमदाबाद में तय नियमों के अनुसार पार्टी काम करेगी। बीजेपी के राम राज्य पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि राम राज्य में सभी समाज की बात सुनी जाती थी। वक्फ बिल पर उन्होंने कहा कि बिल जनभावना के अनुरूप होना चाहिए और जल्दबाजी में पास करने की बजाय लोगों को समझाकर आगे बढ़ना चाहिए।

वीर राणा सांगा पर विवादित बयान के संदर्भ में श्री शर्मा ने कहा कि इस विषय पर इतिहास में जाना होगा। उन्होंने कहा कि आपको इतिहास पढ़ने से सभी सवालों का जवाब स्वतः मिल जाएगा।

पश्चिम बंगाल में दंगाइयों पर अपील नहीं, बल्कि सख्त कार्रवाई काम करेगी- सीएम योगी

हिंदू हितों और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार- सीएम योगी

आगरा/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा में 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर 30वें तीन दिवसीय भीमनगरी महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम योगी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में गरीबों और दलित हिंदुओं को दंगों का शिकार बनाया जा रहा है, लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस चुप्पी साधे हुए हैं। ममता बनर्जी को ये दंगाई शांतिदूत नजर आते हैं, जबकि ये शांति के दुश्मन हैं। सीएम योगी ने कहा कि दंगाइयों के खिलाफ अपील काम नहीं करेगी, बल्कि शक्ति के साथ सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब का मिशन हर दलित हर वंचित हर गरीब को न्याय देने का रहा है। अन्याय चाहे बांग्लादेश के अंदर हो या पाकिस्तान के अंदर या अन्य किसी भी स्थान पर, उसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। अन्याय के खिलाफ संगठित होकर आवाज उठानी चाहिए यह बाबा साहब की प्रेरणा रही है। इस प्रेरणा के लिए आज आप सभी का आवाहन करने के लिए मैं आज आपके बीच में आया हूं सरकार आपके साथ होगी। आगरा के आवास विकास कॉलोनी, सिंकदरा के सेक्टर-12 स्थित मैदान में आयोजित इस भव्य समारोह में सीएम योगी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए बाबा साहब के मूल्यों, समाज के वंचित वर्गों के उत्थान और वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की। कार्यक्रम में भीम नगरी केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारियों ने सीएम योगी को बाबा साहब की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया, जबकि स्थानीय बच्चियों ने मनमोहक लोकनृत्य प्रस्तुत कर माहौल को और भी उत्सवमय बना दिया।

कांग्रेस और सपा का बाबा साहब के प्रति रहा अपमानजनक रवैया- सीएम योगी

सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर बाबा साहब के देश और समाज के लिए योगदान को अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 1952 और 1954 के चुनावों में बाबा साहब को हराने की साजिश कांग्रेस ने रची थी। स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में उनकी योग्यता को नजरअंदाज किया गया। सीएम योगी ने इमरजेंसी के दौरान संविधान का गला घोटने और संविधान की प्रस्तावना में छेड़छाड़ करने का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब के सपनों को कुचलने का काम किया। समाजवादी पार्टी ने बाबा साहब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया, लेकिन हमारी सरकार ने इसे फिर से उनके नाम पर बहाल किया। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब को भारत रत्न देने और दिल्ली में स्मारक बनाने में बाधा डाली, जो तब संभव हुआ जब अटल बिहारी वाजपेई और भारतीय जनता पार्टी ने पहल की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब के पंच तीर्थ को भव्य स्मारक के रूप में विकसित किया- मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब के पंच तीर्थ–जन्मभूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर), चैत्य भूमि (मुंबई) और इंग्लैंड के स्मारक को भव्य स्मारकों में तब्दील किया गया है। लखनऊ और आगरा में भी बाबा साहब के दर्शन पर आधारित स्मारक और शोध केंद्र बनाने की घोषणा की गई, जहाँ अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों के लिए छात्रावास और स्कॉलरशिप की व्यवस्था होगी। सीएम योगी ने कहा कि 2015-16 में समाजवादी पार्टी ने छात्रवृत्ति रोकी थी, लेकिन उनकी सरकार ने इसे बहाल कर एक साथ रिलीज किया।

हिंदू हितों और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार- सीएम योगी

सीएम ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (उअअ) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दलित हिंदुओं, बौद्धों, और सिखों को भारत की नागरिकता देने का प्रयास है, जिसे कांग्रेस और सपा ने हिंसक विरोध से रोका। सीएम योगी ने कहा कि हमने पाकिस्तान, बांग्लादेश, और अफगानिस्तान से आए वंचित हिंदुओं को सम्मान दिया, जबकि ये दल उनके खिलाफ खड़े हुए। सीएम योगी ने नई संसद भवन में बाबा साहब के संविधान की मूल प्रति स्थापित करने की पहल को उन्होंने ऐतिहासिक बताया।

भीमनगरी महोत्सव बाबा साहब की विरासत का उत्सव- योगी

सीएम योगी ने भीम नगरी महोत्सव की सराहना की, उन्होंने कहा कि यह चार दिवसीय कार्यक्रम, जन्मदिन की झांकी, सामूहिक विवाह और सम्मान समारोह बाबा साहब की यादों को जीवंत रखता है। उन्होंने बाबा साहब के आगरा दौरे (1956) को याद करते हुए उनके संदेश पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा से सही-गलत की पहचान होती है। इसलिए अंधभक्त बनने के बजाय सही-गलत की पहचान की कोशिश करें और संगठित रहकर अपने खिलाफ होने वाले अन्याय का मुकाबला करें। बाबा साहब ने संघर्ष के सहारे शिखर तक पहुंचे जिनके आदर्शों को देश ही नहीं बल्कि दुनिया के लोग अनुसरण करते हैं। अन्याय के खिलाफ संगठित होकर आवाज उठाना बाबा साहब की प्रेरणा रही है। बाबा साहब भारत के संविधान के सहारे यहां के दलित, वंचितों और महिलाओं को दुनिया में सबसे पहले मताधिकार से जोड़ा। सीएम योगी ने कहा कि ह्यजीरो पॉवर्टीह्ल अभियान बाबा साहब को समर्पित होगा। हर गरीब को जमीन, मकान, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, और रोजगार देना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 50 करोड़ को आयुष्मान और 12 करोड़ शौचालय व उज्ज्वला कनेक्शन बाबा साहब के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, यूपी सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, योगेंद्र उपाध्याय, बेबीरानी मौर्य, धर्मवीर प्रजापति, जयवीर सिंह, असीम अरूण, सांसद राजकुमार चाहर, राज्यसभा सांसद नवीन जैन, मेयर हेमलता दिवाकर कुशवाह, उ.प्र. महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान, विधायक डॉ. जीएस धर्मेश, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, एमएलसी विजय शिवहरे, संरक्षक करतार सिंह भारतीय, डॉ. रामजी लाल, भीमनगरी केंद्रीय कमेटी अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी, महामंत्री श्याम जरारी, क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्ष विजय सिंह कर्दम, महासचिव इं. महेश चन्द्रा, पूर्व विधायक सुनील चित्तौड़ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिहार के 19 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

60KM प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी हवा; 21 अप्रैल तक ऐसा ही रहेगा मौसम

पटना। बिहार के 19 जिलों में आज यानी मंगलवार को तेज बारिश और आंधी की संभावना है। मौसम विभाग ने 5 जिलों में ऑरेंज और 14 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में 50 से 60KM प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। वहीं जिन 14 जिलों में यलो अलर्ट है, वहां 40 से 50डट प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा और हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 18 अप्रैल को एक और पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है, जिससे प्रदेश के मौसम में फिर बदलाव हो सकता है। अरवल में आकाशीय बिजली से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। इनमें पति अवधेश यादव (48), पत्नी

राधिका देवी (45) और बेटी रिंकू कुमारी (18) शामिल हैं। घटना के वक्त मौजूद लोगों की माने तो बारिश शुरू होते ही तीनों खेत में रखा गेहूं का बोझा लेने गए थे। बारिश तेज होने पर सभी खेत के पास बने पुआल के टाल के नीचे जाकर बैठ गए। अचानक से आकाशीय बिजली गिरी। बिजली के गिरते ही पुआल में आग लग गई और तीनों जिंदा जल गए। वहीं गोपालगंज के कोटवा गांव में भी ठनका गिरने से एक शख्स की मौत हो गई। वो भी खेत में काम करने गए थे। वहीं बेगूसराय में वज्रपात की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के भीखमचक पंचायत स्थित रामचंद्रपुर जहानपुर गांव की है। मृतक की पहचान ननकी सदा के

सुरेश सदा (45) के रूप में की गई है।बेमौसम बारिश और ओला गिरने से रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। सोन के किनारे गेहूं, मक्का की फसल बर्बाद हो गई है। अप्रैल में हुई बारिश की वजह से किसानों कोपहले ही नुकसान झेलना पड़ा था। इस महीने में दो बार बारिश होने से फसलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, तेज हवा से आम भी झड़ गए हैं। आकाशीय बिजली से सतर्क रहने की अपीलपटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी युक्त हवा और पश्चिमी विक्षोभ की टकराहट के कारण प्रदेश के मौसम में बदलाव दिख रहा है। इससे राज्य के कई हिस्सों में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली की घटनाएं हो रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान पूरी सतर्कता बरतें। आकाशीय बिजली और आंधी से बचने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। मौसम बिगड़ने की स्थिति में घर के अंदर रहें। सोमवार दोपहर बाद बिहार के 10 जिलों में मौसम का मिजाज बदल गया। पटना, छपरा, अरवल, बांका, नालंदा, लखीसराय, जमुई, मुंगेर, जहानाबाद और कैमूर में तेज आंधी के साथ तेज बारिश हुई। इस दौरान छपरा, बांका समेत तीन जिलों में ओले भी गिरे। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा।

बेटी-बेटे संग मां ने खाया जहर, बच्चों की मौत सुसाइड

गया। रविवार की रात मां ने अपने दो बच्चों को जहर देने के बाद खुद भी जहर खा लिया। सोमवार की सुबह 8 साल के बेटे संकेत की मौत हो गई। वहीं, 12 साल की पल्लवी कुमारी ने दोपहर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की स्थिति गंभीर है। मगध मेडिकल अस्पताल के ICU में उसका इलाज चल रहा है। महिला की पहचान मुन्नी देवी (37) के रूप में हुई है। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टर को एक पर्ची मिली। पर्ची में मुन्नी ने अपने पति जितेंद्र पासवान (40) पर जबरदस्ती नाजायज संबंध बनाने के लिए मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पर्ची को जब्त कर लिया है। घटना डोभी

थाना क्षेत्र के अंगरा गांव की है। बताया जा रहा कि रविवार को जितेंद्र पासवान ने मुन्नी के साथ मारपीट की थी। इस घटना के बाद मुन्नी देवी ने बच्चों के साथ आत्महत्या की कोशिश की।एक ग्रामीण ने बताया कि 'परिवार में कुल 5 सदस्य थें। पति जितेंद्र ट्रक चलाता है। 14 साल के बेटे अंकित कुमार है, जो अपने पिता के साथ काम करता है।

अवैध संबंध का विरोध किया तो पति को मरवा डाला

बांका। पत्नी ने 35 हजार रुपए की सुपारी देकर पति की हत्या की साजिश रची और अपने दो साथियों के साथ मिलकर हत्या की घटना को अंजाम दिया। सोमवार की शाम एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हत्याकांड का खुलासा किया है। पुलिस ने पत्नी रिंकू कुमारी समेत दो अन्य आरोपियों बालेश्वर हरिजन और उसकी पत्नी बिजुला देवी को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों ने पूछताछ में अपराध को स्वीकार कर लिया है। बता दें कि शुक्रवार को मृतक की सिर कटी लाश मिली थी। मृतक का प्राइवेट पार्ट भी काटा था। आरोपियों की निशानदेही पर शव से अलग किया गया सिर, हत्या में

इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार, रिंकू कुमारी का खून से सना कपड़ा और मृतक का मोबाइल बरामद किया है।दरअसल, बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मोड़ के पास शुक्रवार को एक सिर कटी लाश मिली थी। मृतक की पहचान केंदुआर गांव निवासी बिहारी यादव (40) के रूप में की गई। मृतक की पहचान उसके कपड़ों और अन्य सामानों से की गई थी। बिहारी यादव पेशे से ट्रक ड्राइवर था। 6 अप्रैल को वह कोलकाता से लौटकर पुनसिया पहुंचा था। जांच में सामने आया कि पत्नी रिंकु कुमारी ने ही दो साथियों के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई।पुलिस की जांच में अवैध संबंध का खुलासा इस हत्याकांड की जांच के लिए एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देश पर डीएसपी विपिन बिहारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया था। पूछताछ में पता चला कि मृतक की पत्नी रिंकु कुमारी का गांव के कुछ पुरुषों के साथ अवैध संबंध था। पति को इसकी जानकारी मिलने पर वह पत्नी से मारपीट करने लगा और खर्च देना बंद कर दिया। इसी रंजिश में पत्नी रिंकू ने पति की हत्या का प्लान बनाया था। 35 हजार सुपारी देकर कराई हत्यापत्नी ने छह महीने पहले जेल में बंद बालेश्वर हरिजन और बिजुला देवी से मुलाकात कर पति की हत्या की साजिश रची थी। उसने 35 हजार रुपए की सुपारी देकर पति की हत्या का सौदा किया। जेल से बाहर आने के बाद उसने बालेश्वर हरिजन को हत्या के लिए पैसे दिए। इसके बाद 11 अप्रैल को धारदार हथियार से गला रेत कर बिहारी यादव की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने न सिर्फ पति की हत्या की, बल्कि उसका सिर और प्राइवेट पार्ट भी काट दिया। इसके बाद शव को विलासी नहर में फेंक दिया गया।

पूर्णिया में भाई ने सगे भाई को चाकू गोदा

पूर्णिया। में सनकी भाई ने अपने ही सगे भाई को धारदार चाकू से गोद डाला। छोटे भाई ने बड़े भाई के गले, चेहरे, बांह, सीना और फेफड़े पर 10 से भी अधिक घातक वार किए। इस क्रूर वारदात को देख जिस किसी ने भी बीच बचाव की कोशिश की, हमलावर ने बचाने पहुंचे लोगों पर भी हमला करना चाहा, जिससे घटनास्थल पर चीख पुकार और अफरातफरी मच गई। हालांकि युवक हमले के बाद भागता इससे पहले ही कुछ लोगों ने हिम्मत जुटाई और उसे पकड़ लिया। दिल दहला देने वाली घटना शहर के मरंगा थाना क्षेत्र के सुदिन चौक टीओपी के शक्तिनगर स्थित ब्राइट करियर स्कूल के समीप रात गए 9:30 बजे घटी है।सूचना के 5 मिनट के भीतर ही सुदिन चौक टीओपी की पुलिस मौके पर पहुंच

गई, जिसके बाद पकड़े गए भाई को हिरासत में लेकर मरंगा थाना भेज दिया। जबकि खून से लथपथ जख्मी शख्स को आनन फानन में GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया। जहां डॉक्टरों ने नाजुक हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।युवक को पहले फातमा और फिर मैक्स सेवन में एडमिट कराया गया है, जहां घायल शख्स की हालत काफी गंभीर बनी हुई है। जख्मी शख्स की पहचान मधेपुरा जिले के कुमारखंड गांव निवासी राधेश्याम पोद्दार के बेटे सुनील पोद्दार 28 के रूप में हुई है, जबकि हमला करने वाले छोटे भाई का नाम प्रहलाद कुमार है। घटना की जानकारी देते हुए मंझौले भाई ने बताया कि वे लोग तीन भाई हैं। घर की माली हालत ठीक न होने की वजह से वे लोग मधेपुरा से पूर्णिया में आकर पिछले कई सालों से रह रहे हैं। इनमें बड़ा भाई सुनील पोद्दार लाइन बाजार स्थित अभिज्ञान पैथोलॉजी में काम करता है। छोटा भाई उनके साथ ही किराए के मकान में शक्तिनगर इलाके में रहता है। जबकि वो पॉलीटेक्निक चौक स्थित लॉज में रहते हैं। रोजाना की तरह बड़ा भाई सुनील पोद्दार साइकिल से पैथोलॉजी से काम कर घर लौट रहे थे। इसी साइकिल पर छोटा भाई प्रहलाद कुमार बैठा था। प्रहलाद साइको है। उसे ये लगता है कि बड़ा भाई उसके ऊपर नजर रखता है और उसका बुरा चाहता है। इसी को लेकर लौटने के क्रम में शक्तिनगर स्थित ब्राइट करियर स्कूल के समीप उसने साइकिल चला रहे बड़े भाई सुनील पोद्दार पर धारदार चाकू से गला, चेहरे, बांह, सीना और फेफड़े पर 10 से भी अधिक घातक वार कर दिया। इस जानलेवा हमले में वो खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े।

बाइक लोन विवाद में सिर काटकर हत्या का खुलासा

सीतामढ़ी। सोनबरसा थाना क्षेत्र में दिसंबर महीने में झीम नदी के पास तालाब से मिली सिर कटी लाश के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। मृतक की पहचान नंदू साह के रूप में हुई थी। पुलिस ने इस हत्या के मामले में एक आरोपी रौशन कुमार उर्फ मुक्का को गिरफ्तार किया है, जो मुसहरनियां गांव का निवासी है। हत्या में इस्तेमाल चाकू तालाब से बरामद गिरफ्तार आरोपी रौशन कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू को भी तालाब से बरामद कर लिया है। इस मामले में अब तक तीन लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है, जिनमें दो आरोपी अभी फरार हैं। बाइक लोन और शराब तस्करी के चलते हत्या सदर एसडीपीओ आशीष आनंद ने बताया कि मृतक और आरोपी एक

साथ काम करते थे। आरोपियों ने नंदू साह के नाम पर एक बाइक फाइनेंस करवाई थी, जिसकी जानकारी नंदू को नहीं थी। इस बाइक का इस्तेमाल वे नेपाल से शराब की तस्करी के लिए कर रहे थे। मामला तब बिगड़ा जब नेपाल में बाइक जब्त हो गई और किश्तें नहीं चुकाने पर फाइनेंस कंपनी का एजेंट नंदू के घर पहुंच गया।साजिश रचकर की गई हत्यानंदू को जब इस धोखाधड़ी का पता चला तो उसने विरोध जताया। इसी के बाद तीनों ने साजिश रचकर उसकी हत्या कर दी और शव को तालाब में फेंक दिया।

पिकअप ने व्यवसायी को कुचला, मौत

सीतामढ़ी। पुपरी-मुजफ्फरपुर मार्ग पर यदुपट्टी और बहेरा गांव के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने सब्जी के ठेले में टक्कर मार दिया। इस हादसे में सब्जी विक्रेता जाहिदपुर निवासी राजाराम पासवान(35) की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने मारी टक्कर दूसरे ने रौंदा घटना के प्रत्यक्षदर्शी और सब्जी विक्रेता बेचन साह ने बताया कि बहेरा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने पहले उनके ठेले को टक्कर मारी। इस टक्कर से वे सड़क के बाईं ओर गिर गए। इसके बाद वैन ने बाइक सवार राजाराम को टक्कर मार दी। राजाराम सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पुपरी की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने राजाराम को कुचल दिया और फरार हो गया। मृतक राजाराम पुपरी स्थित संत थॉमस स्कूल में वाहन चालक का काम करते थे। वे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी सात बेटियां हैं और अगले महीने एक बेटी की शादी होनी थी। ग्रामीणों के अनुसार, राजाराम सरल स्वभाव के और सामाजिक व्यक्ति थे। घटना की सूचना मिलते ही नानपुर थाने के एसआई सुबोध कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। कानूनी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

अंबेडकर जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

पूर्णिया। में संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। ढोल ताशा, बैंड, डीजे के साथ शोभायात्रा राजकीय वैद्यनाथ कल्याण छात्रावास से निकाली गई, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। जय भीम के नारे से पूरा शहर गूंजा। शोभायात्रा में सामाजिक न्याय, समानता और बाबा साहब के विचारों को दर्शाने वाली झांकियां भी शामिल रही।शोभायात्रा प्रभात कॉलोनी स्थित राजकीय वैद्यनाथ कल्याण छात्रावास से निकाली गई, जो शहर के भोला

पासवान शास्त्री चौक होते हुए गिरिजा चौक, आए एन साह चौक, भट्टा बाजार, झंडा चौक, रजनी चौक, लाइन बाजार होते हुए वापस वैद्यनाथ कल्याण छात्रावास पहुंची। हाथों में बाबा साहेब के बैनर, तस्वीर और नीले झंडे लिए लोग बाबा साहेब के जयकारे लगा रहे थे। शोभा यात्रा में शामिल ढोल ताले, बैंड, डीजे के धुन पर लोग जमकर नाच रहे थे।शोभा यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए, जो जय भीम के नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरे। शोभा यात्रा के स्वागत के लिए जगह -जगह स्वागत द्वार और स्टॉल लगाए गए। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की ओर से शहर के आर एन साह चौक पर शोभा यात्रा के स्वागत के लिए विशेष इंतजाम किया गया। शोभा यात्रा में शामिल लोगों के लिए शरबत, पानी और खीर की व्यवस्था की गई। शोभायात्रा का उद्देश्य लोगों को बाबा साहेब के विचारों से परिचित कराना और उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना था। शोभा यात्रा का नेतृत्व कर रहे विक्रम झा, अजय भारती, रंजीत पासवान और डॉ प्रदीप कुमार ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी बाबा साहेब की जयंती पर वैद्यनाथ छात्रावास से भव्य शोभा यात्रा निकाली जा रही है।

शाह कहते हैं-नीतीश नेतृत्व करेंगे सी.एम बनाने की बात नहीं करते

दिल्ली में राहुल-खड़गे संग बैठक के बाद बोले तेजसवी; निशांत का जवाब-नीतीश ही होंगे फेस

पटना। दिल्ली में आज यानी मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आरजेडी और कांग्रेस की मीटिंग हुई। बैठक के बाद खड़गे आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि, 'जो भी चीजें हैं, मिलकर बैठकर तय हो जाएंगी।'सी.एम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा- 'बातचीत से सब फाइनल होगा। आपलोग चिंता न करें।' कितने सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि 'इस बार बिहार में हमारी सरकार बनेगी यह तय है।' बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहें। वहीं राजद की ओर से तेजस्वी यादव के साथ-साथ राजद सांसद मनोज झा, और संजय यादव भी मीटिंग में शामिल हुए। वहीं बिहार कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू मीटिंग में शामिल हुए। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार अल्लावरू और तेजस्वी की ये पहली मुलाकात रही, वहीं 6 अप्रैल को राजेश राम ने राबड़ी आवास जाकर तेजस्वी से मुलाकात की थी।तेजस्वी के बयान पर पटना में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने कहा कि, एनडीए

में सीएम फेस को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है। अमित शाह कह चुके हैं कि पिताजी ही सीएम फेस होंगे। सम्राट चौधरी ने भी कहा है कि 15 साल तक पिताजी का नेतृत्व रहेगा। वहीं सीएम की सेहत पर उठते सवाल पर कहा- 'मेरे पिताजी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। जनता सब देख रही है। बिहार की जनता से अनुरोध है कि 2010 में जितनी सीटें दीं, उससे ज्यादा जिताए।' बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हुआ तेजस्वी यादव ने कहा कि 'हम सभी ने बैठक की है और काफी सकारात्मक चर्चा हुई है और हम सभी 17 तारीख को पटना में अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठेंगे। हम पूरी तरह से तैयार हैं।' 'हमारी स्ट्रेटजी हम मीडिया में बताते नहीं है। लेकिन इतना तय है कि इस बार एनडीए की विदाई होगी और बिहार में हमारी सरकार बनेगी।' कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा- आज शुरूआती बैठक थी, आगे हम सभी साथ बैठ कर इस पर निर्णय लेंगे। अगली बैठक 17 तारीख को पटना में होगी, आगे की रणनीति वहां तय होगी। सीएम फेस के सवाल पर अल्लावरू ने कोई जवाब नहीं दिया। सी.एम फेस को लेकर राजद-कांग्रेस में तकरार है। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद सी.एमके चेहरे पर बात होगी। बीते मार्च में दिल्ली में हुई पार्टी मीटिंग के बाद अल्लावरू ने कहा था- 'इंडिया गठबंधन जब बैठेगी तब सीट, सी.एम फेस सब पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, नहीं होगा, इस पर सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।' वहीं 11 अप्रैल को कन्हैया की रैली में शामिल होने पटना पहुंचे कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व डिप्टी सी.एम सचिन पायलट ने भी चुनाव में जीत के बाद सब तय करने की बात कही।दूसरी तरफ RJD महागठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव को सी.एमका चेहरा घोषित कर चुकी है। 26 मार्च को पटना में बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा था- 'हमारी पहली प्राथमिकता इंडिया अलायंस को मजबूत करने की रहेगी।

संक्षिप्त डायरी

अरवल में ठनका गिरा, पति-पत्नी, बेटी जिंदा जल

अरवल/ भव्य खबर । बिहार मे बेमौसम बारिश से जान माल का नुकसान जारी है। सोमवार को अरवल में ठनका गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग जिंदा जल गए, तीनों की मौत हो गई। मरने वालों में वंशी थाना क्षेत्र के शादीपुर गांव में अवधेश यादव (48) पति, राधिका देवी (45) पत्नी और उनकी 18 साल की बेटी रिंकू शामिल है। तीनों खेत में गेहूं की फसल समेटने गए थे। सोमवार शाम 4 बजे अचानक मौसम खराब हुआ। बारिश शुरू हो गई। बचने के लिए तीनों पुआल के ढेर में छिप गए। इसी बीच तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली सीधे पुआल के टाल पर गिरी। पुआल में आग लग गई और तीनों आग की चपेट में आ गए। पुआल सूखा था। आग तेजी से फैली और किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। सभी की मौत हो गई। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुआल की ढेर में तीनों के जले हुए शव दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद इलाके में दहशत है।ठनका गिरने से जिस रिंकू की मौत हुई है उसकी 15 दिन बाद शादी होनेवाली थी। गया जिले के टेकारी थाना क्षेत्र के मुर्गी बीघा गांव में शादी तय हो चुकी थी। 25 अप्रैल को तिलक और 29 को विवाह होना थाा। घर में उसकी शादी की तैयारियां चल रही थीं। डोली उठने से पहले रिंकू की अर्थी उठ गई। सूचना पर पहुंची बंसी पुलिस हादसे को जिसने भी देखा, वो दहल गया। घटना की जानकारी वंशी थाने को दी गई। साथ ही अग्निशमन विभाग को भी बताया गया। सूचना मिलते ही बंसी थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। तीनों मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल अरवल भेजा गया है। गोपालगंज में बेटी की शादी से पहले पिता की मौत बिहार में काल बैसाखी का कहर जारी है। काल बैसाखी की वजह से प्रदेश के दक्षिण-पूर्व के भागों में आंधी-पानी और ठनका अधिक गिरने की संभावना है। सोमवार को ठनका से 4 मौतें हुईं हैं, जिनमें अरवल में तीन और गोपालगंज में एक है। गोपालगंज के कोटवा गांव में आकाशीय बिजली से रोहित यादव की मौत हो गई। वो गेहूं की फसल समेट रहे थे।मृतक के 3 बच्चे हैं। रोहित की बड़ी बेटी की अगले महीने शादी थी। 2 मई को तिलक समारोह था, 5 मई को शादी होनी थी।

तेजस्वी के एमएलसी12 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट, कमरे में बंद रहे कारी सुहैब, जानें क्या पूछा?

पटना/ भव्य खबर । डिजिटल अरेस्टिंग के बढ़ते मामलों के बीच बिहार की राजधानी पटना से हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के विधान पार्षद को ही साइबर ठगों ने अपने चंगुल में फंसा लिया. साइबर ठगों की दहशत का आलम यह कि उन्होंने करीबन 12 घंटे तक राजद के विधान पार्षद को डिजिटल अरेस्ट करके रखा. अब इस पूरे मामले में राजद के विधान पार्षद ने साइबर थाने में मामला दर्ज कराया है. जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय जनता दल के विधान पार्षद कारी सुहैब को साइबर ठगों ने करीब 12 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा. कारी सुहैब ने 9 अप्रैल को साइबर सेल में इस मामले को लेकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है. थाने में दिए गए अपने आवेदन में कारी सुहैब ने सिलसिलेवार तरीके से पूरी घटना का जिक्र किया है. विधान पार्षद ने पुलिस को यह जानकारी दी है कि आठ अप्रैल को दो नंबर +64830850702, 7866865784 से उन्हें सुबह 10 बजकर 30 मिनट के करीब कॉल आई. कॉल करने वाले ने खुद को साइबर क्राइम ब्रांच मुंबई का अधिकारी बताया. इसके बाद कॉल करने वाले ने कारी सुहेब को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी दी. साइबर ठगों ने वीडियो कॉल पर कारी सुहेब को डिजिटल अरेस्ट किया और उन्हें एक ही कमरे में तकरीबन 12 घंटे तक बैठा के रखा. विधान पार्षद ने यह भी जानकारी दी है कि ठगों ने कहा कि उनके केनरा बैंक, मुंबई ब्रांच की खाते से करोड़ों का लेनदेन कई लोगों के साथ किया गया है. इस सिलसिले में उनके नाम पर मामला दर्ज हुआ है. ठगों ने कारी सुहेब को केस नंबर तक की जानकारी दी. उनका कहना था कि विधान पार्षद से इसी सिलसिले में बात करनी है. कारी सुहैब ने बताया कि ठगों ने उनसे पर्सनल जानकारी ली साथ ही नगद और जेवरात के बारे में भी पूछा. जिसके बाद उन्हें यह शक हो गया कि उनके साथ ठगी हो रही है. अब इस मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है. एक बड़े नेता के साथ डिजिटल अरेस्ट होने की हरकत की खबर सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में सनसनी फैली हुई है.

सुलझ गई सिर कटे लाश की गुत्थी! जेल में पत्नी ने सहेली के साथ बनाया प्लान, 35000 में दी सिर काटने की सुपारी

पटना/ भव्य खबर । बिहार के बांका जिले में सिर कटी लाश मिलने के सनसनीखेज मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. इस मामले में पत्नी ने जेल में अपनी सहेली के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी. महिला ने इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए अपनी सहेली के पति को 35 हजार रुपये की सुपारी दी थी. मृतक का सिर पहले गड़ासे से अलग किया था और फिर प्राइवेट पार्ट को भी कटवा दिया गया था. चार दिन गहन छानबीन के बाद पुलिस ने मामले का खुलासा किया है. 11 अप्रैल को केंदुवार गांव के रहने वाले बिहारी यादव का सिर कटा हुआ शव अमरपुर थाना क्षेत्र के विलासी नगर के पास मिला था. शव के मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी. मामले में एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ विपिन बिहारी के नेतृत्व में जांच टीम का गठन किया गया था. टीम ने तकनीकी अनुसंधान के जरिए कांड का खुलासा कर किया है. मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. दरअसल, पत्नी ने ही अपने सहयोगी की मदद से अपने पति का सिर काट दिया था. पुलिस ने घटना में शामिल मृतक की पत्नी रिंकू कुमारी और उनके सहयोगी भरको गांव के रहने वाले बालेश्वर और उसकी पत्नी बिजुला देवी को गिरफ्तार कर लिया है. एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक बिहारी की पत्नी रिंकू ने साजिश के तहत बालेश्वर और उनकी पत्नी बिजल देवी के सहयोग से धारदार हथियार से अपने पति की गला काटकर हत्या कर दी थी. गिरफ्तार आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया है. मृतक बिहारी यादव की पत्नी रिंकू कुमारी का प्रेम प्रसंग अपने ही करीबी रिश्तेदार से चल रहा है. इसकी भनक बिहारी यादव को लग गई. फिर उसने अपने पत्नी के साथ मारपीट की और उसे खर्च देना भी बंद कर दिया था. आरोपी पत्नी इसी बात से काफी नाराज थी. बता दें कि मृतक की पत्नी रिंकू कुमारी 2010 के एक मारपीट मामले में कोर्ट में पेश नहीं होने कारण 2024 में जेल गई थी. जेल में रहने के दौरान आरोपी बालेश्वर की पत्नी बिजुला देवी से उसकी दोस्ती हुई थी. बिजुला शराब के कारोबार में जेल गई थी, इस दौरान रिंकू एक साल से अपने पति की हत्या की साजिश जेल में रच रही थी, फिर बाहर आने पर रिंकू ने बिजुला के पति बालेश्वर को 35 हजार की सुपारी दी और अपने पति का सिर धड़ से अलग करने को कहा. इस दौरान मृतक का प्राइवेट पार्ट भी काट दिया गया था. पुलिस ने हत्या में प्रयोग किया गया धारदार हथियार, रिंकू का खून से सना कपड़ा, मोबाइल और मृतक का मोबाइल भी बरामद किया है.

बक्सर में बनेगी भगवान हनुमान की 108 फीट ऊंची प्रतिमा

बक्सर/ भव्य खबर । रामपुर गांव में 108 फीट ऊंची बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह निर्णय गांव के लोगों ने मिलकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके लिए जमीन का चयन भी कर लिया गया है। यह निर्णय क्लब ऑफ वेलनेस के तत्वावधान में आयोजित लक्ष्मी नारायण यज्ञ के समापन पर लिया गया।कार्यक्रम के संयोजक प्रभात राय उर्फ गोपाल दास ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 50 वर्षों से क्षेत्र के किसान सिंचाई की समस्या से जूझ रहे थे।

एयरपोर्ट के नजदीक करीब 3 हजार एकड़ में बनेगा आईएमसी : मुख्यमंत्री सैनी

एनआईसीडीसी के सहयोग से विकसित होगा आईएमसी

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के नजदीक लगभग 3 हजार एकड़ में औद्योगिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) स्थापित किया जाएगा। इस पर लगभग 4680 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस आईएमसी को हरियाणा सरकार और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनआईसीडीसी) के सहयोग से विकसित किया जाएगा। यह जानकारी आज यहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई एक अहम बैठक में दी गई। बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि देशभर में विनिर्माण क्षेत्र में विकास को गति देने तथा व्यवस्थित और नियोजित शहरीकरण सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के आधार पर एकीकृत इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित कर रही है। अमृतसर- कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत 7 राज्यों में कुल 6 शहरों में इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्थापित की जाएगी, जिसमें हिसार में स्थापित होने वाला आईएमसी सबसे बड़ी परियोजना है, जो लगभग 3 हजार एकड़ में विकसित होगी। इस आईएमसी को दो चरणों में विकसित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि इस परियोजना के विकसित होने से लगभग 32 हजार करोड़ रुपये के निवेश आने की संभावना है और 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आईएमसी में सड़क, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट (एसटीपी) सहित सभी प्रकार की बुनियादी और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए जल्द ही इस एनआईसीडीसी तथा हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया जाएगा। महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के होने से आईएमसी में उद्योगों को होगा बहुत बड़ा लाभ मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जल्द ही औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आईएमसी में भारत के साथ-साथ विदेशी कंपनियों से भी निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिसार में चिन्हित 7200 एकड़ में से लगभग 4212 एकड़ में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट है और लगभग 2988 एकड़ में आईएमसी स्थापित की जाएगी। एयरपोर्ट के नजदीक होने से उद्योगों को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। हरियाणा को दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से होगा बड़ा फायदा बैठक में बताया गया कि एनआईसीडीसी द्वारा विकसित किया जा रहा दिल्ली- मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत हरियाणा के नांगल चौधरी में लगभग 886

एकड़ पर एकीकृत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब भी बनाया जाएगा। इस प्रकार, हरियाणा को दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का बड़ा फायदा मिलने वाला है, जिससे प्रदेश में निवेश के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के विजन के तहत विकसित हरियाणा बनाने के लिए उद्योगों का विकास अति आवश्यक है। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश में 10 आईएमटी स्थापित करने का संकल्प लिया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, नागरिक उड्डयन विभाग के प्रधान सचिव श्यामल मिश्रा, एनआईसीडीसी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रजत कुमार सैनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

हम सबका सांझा सपना-नशा मुक्त हो हरियाणा अपना- थीम के साथ सोनीपत पहुंची साइक्लोथॉन-2.0

चंडीगढ़/ भव्य खबर। हम सबका सांझा सपना-नशा मुक्त हो हरियाणा अपना-थीम के साथ ड्रग्स फ्री हरियाणा का संदेश देते हुए साइक्लोथॉन-2.0 मंगलवार को सोनीपत जिला में प्रवेश कर गई। जिला से निकलने वाली दो दिवसीय इस साइकिल यात्रा का भव्य स्वागत जिलावासियों द्वारा गरिमामयी ढंग से किया गया।एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 हिसार से 5 अप्रैल को शुरू की गई साइक्लोथॉन सामाजिक संदेश के साथ पूरे प्रदेश को कवर करेगी। उन्होंने कहा कि नायब सरकार प्रदेश में आधारभूत ढांचागत विकास कराने के साथ ही युवा शक्ति को नशे जैसी कुरीति से दूर रखने सहित अन्य सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाने में भी अपनी नैतिक जिम्मेवारी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम से निभा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों से निकलने वाली यह साइक्लोथॉन नशा मुक्त हरियाणा का संदेश देने में अहम रहेगी। यह यात्रा प्रदेशभर में लोगों को नशाखोरी जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए प्रेरित करते हुए सिरसा में सम्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश को नशामुक्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आना होगा और सरकार की सार्थक मुहिम में आहुति डालते हुए नशा मुक्त हरियाणा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि हम सब को मिल कर नशाखोरी को खत्म करने के लिए युवाओं को प्रेरित करना है।

शिक्षा बोर्ड के उड़नदस्तों द्वारा की जाएगी अराजकीय विद्यालयों में चैकिंग

चंडीगढ़/ भव्य खबर। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने अराजकीय स्कूलों द्वारा विधयर्थियों को निजी पब्लिशर्स की महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने वालों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाने का निर्णय लिया है। बोर्ड के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार के आदेशानुसार प्रदेशभर में कोई भी अराजकीय विद्यालय विद्यार्थियों के अभिभावकों को निजी पब्लिशर्स की महंगी किताबें खरीदने पर मजबूर नहीं कर सकता। हरियाणा सरकार द्वारा यह कदम अभिभावकों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करने की दिशा में उठाया गया है। उन्होंने आगे बताया कि जल्द ही शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रदेशभर के विद्यालयों में पढ़ाई जा रही पाठ्य-पुस्तकों की चैकिंग के लिए विशेष उड़नदस्ते गठित किए जाएंगें। बोर्ड द्वारा गठित उड़दस्तों द्वारा चैकिंग के दौरान यदि कोई विद्यालय शिक्षा विभाग व शिक्षा बोर्ड के निदेशों की अवहेलना करता पाया जाता है तो उनके खिलाफ बोर्ड द्वारा सम्बद्धता नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं इसे शिक्षा के अधिकार एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लंघन माना जाएगा। उन्होंने बताया कि निजी विद्यालयों को ऐसी किताबों पर रोक लगा देनी चाहिए जो न तो जरूरी हैं, और न ही नीति के अनुसार हैं।

जेई पर लगाया 3 हजार रुपए जुमार्ना

चंडीगढ़/ भव्य खबर। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में बिजली विभाग की खामियों के चलते बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर पर 3 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है और शिकायतकर्ता को 3 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति देने के आदेश दिए हैं। आयोग ने पानीपत निवासी श्री कपिल ग्रोवर की "सोलर कनेक्शन के उपरांत बिजली बिल में सुधार न होने" की शिकायत में देरी और लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। शिकायतकर्ता ने 1 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने 1 मार्च 2024 को सोलर कनेक्शन के लिए आवेदन किया था, जिसे 5 अप्रैल 2024 को जारी कर दिया गया, लेकिन यह जानकारी विभागीय रिकॉर्ड में अपडेट नहीं की गई। परिणामस्वरूप, उनका बिजली बिल सोलर यूनिट की कटौती के बिना 8 हजार 240 रुपये की अतिरिक्त राशि के साथ जारी किया गया । आयोग के प्रवक्ता ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जूनियर इंजीनियर श्री सुखविंदर सिंह द्वारा कनेक्शन अपडेट करने में देरी की गई और सोलर मीटर की प्रारंभिक रीडिंग गलत डाली गई, जिससे उपभोक्ता को गलत बिल थमाया गया। इस लापरवाही के लिए आयोग ने जूनियर इंजीनियर पर 3 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है और शिकायतकर्ता को 3 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति देने के आदेश दिए हैं। तत्कालीन प्रथम स्तर की शिकायत निवारण प्राधिकरण के रूप में कार्यरत सहायक अभियंता श्री कुलदीप पुनिया और द्वितीय स्तर की शिकायत निवारण प्राधिकरण के रूप में कार्यरत कार्यकारी अभियंता सुरेश द्वारा शिकायत का गलत तरीके से समाधान करने के लिए आयोग ने उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को की है। आयोग ने पाया कि दोनों अधिकारी बिना उपभोक्ता को सुनवाई का अवसर दिए शिकायत बंद कर चुके थे, जबकि समस्या बनी हुई थी।आयोग ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की लापरवाही को भविष्य में भी गंभीरता से लिया जाएगा और नागरिक सेवाओं में देरी या गड़बड़ी पर जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा को दी विकास की ऐतिहासिक सौगातें, भीषण गर्मी में उमड़ा जनसैलाब

हिसार की रैलियों पर बोले कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हरियाणा को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से विकास की ऐतिहासिक सौगातें मिली हैं। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने यमुनानगर और हिसार में कई बड़ी परियोजनाओं की नींव रखकर प्रदेश की विकास यात्रा को नई रफ्तार दी। मोदी जी का यह दौरा हरियाणा के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण रहा। कृषि मंत्री राणा ने कहा कि यमुनानगर में पंचवटी योजना और सिंचाई से जुड़े कार्य हों या हिसार में एम्स जैसी बड़ी स्वास्थ्य परियोजना–ये सब योजनाएं प्रधानमंत्री के हरियाणा के प्रति विशेष लगाव और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा, यह केवल योजनाओं का एलान नहीं, बल्कि हरियाणा को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का रोडमैप है, जिसका हर वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने राज्य के लोगों, विशेष रूप से किसानों और मजदूरों का धन्यवाद किया, जिन्होंने फसल कटाई के मौसम में समय निकालकर रैली में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को सुना। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर बहुत उत्साहित थे। कृषि मंत्री ने विशेष तौर पर उन हजारों लोगों, कार्यकताओं और किसानों का भी आभार जताया, जो चिलचिलाती गर्मी और फसल कटाई के व्यस्त समय के बावजूद भारी संख्या में दोनों रैलियों में पहुंचे। उन्होंने कहा, यह नजारा दिखाता है कि जनता सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि देश के विकास की सहभागी बन चुकी है। मोदी जी के नेतृत्व में जो भरोसा और आशा जगी है, उसे हरियाणा की जनता ने अपने उत्साह से साबित कर दिया। उन्होंने कहा कि ये रैलियां केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य को नई दिशा देने वाले ऐतिहासिक क्षण थे, जहां लोगों की भागीदारी ने स्पष्ट कर दिया कि हरियाणा मोदी जी की विकास यात्रा में पूरी ताकत से सहभागी है। कृषि मंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि जिन परियोजनाओं की घोषणा की गई है, उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कर हरियाणा के हर गांव और हर किसान तक लाभ पहुंचाया जाएगा।

अम्बाला छावनी नई अनाज मंडी में किसानों व मजदूरों को 10 रुपये प्रति थाली की दर से मिलेगा भोजन : अनिल विज

अनाज मंडी में किसानों व मजदूरों के लिए अटल किसान मजदूर कैंटीन की शुरूआत

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में नई अनाज मंडी प्रदेश में ऐसी पहली अनाज मंडी है जोकि जीटी रोड पर स्थित हैं। यहां पर किसानों के लिए रेस्ट हाउस की सुविधा उपलब्ध है। इसी कड़ी में आज किसानों व मजदूरों के लिए अटल किसान मजदूर कैंटीन शुरू की गई हैं जिसमें उन्हें 10 रुपये में भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी।

विज उद्घाटन करने के उपरांत मौजूद किसानों व अन्य लोगों को संबोधित किया

अनिल विज ने कहा कि आज खुशी की बात है कि यहां पर अटल किसान मजदूर कैंटीन का श्रीगणेश किया गया हैं। हमारी सरकार हर वर्ग, हर क्षेत्र व हर व्यक्ति का पूरा ध्यान रखती हैं। गेहूं का सीजन आ गया हैं, इसके तहत मंडी में किसानों, मजदूरों व अन्यों को भरपेट भोजन मिल सके, इसके लिए यहां पर अटल किसान मजदूर कैंटीन का शुभारम्भ किया गया हैं। इसके साथ-साथ अन्य मंडियों में भी अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाने का काम किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कैंटीन में 10 रुपये की दर से दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा जबकि 15 रूपए प्रति थाली की अदायगी मार्केटिंग कमेटी अम्बाला छावनी सब्सिडी के रूप में कैंटीन संचालक महिला स्वयं सहायता समूह को करेगी।

नई अनाज मंडी मेरा सबसे पहला प्रोजेक्ट था, किसानों व लोगों को मिला फायदा

परिवहन मंत्री ने कहा कि उनका सबसे पहला प्रोजेक्ट अम्बाला छावनी की इस मंडी को जीटी

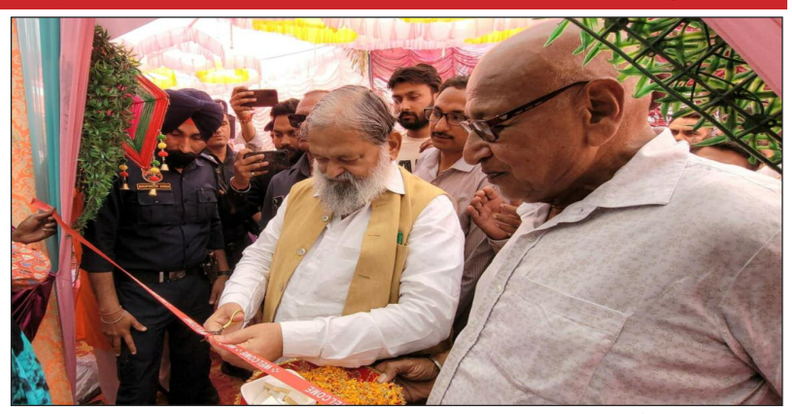

रोड पर बनाने का था। इससे पहले यह अनाज मंडी अम्बाला छावनी सदर बाजार में होती थी। न तो वहां पर अनाज रखने की सुविधा थी, न ट्रॉली खड़ी करने की और न किसानों के बैठने की व्यवस्था होती थी। सारे बाजार गेहूं की ढेरियों से भरे रहते थे।

आढ़तियों, किसानों के साथ-साथ बाजार के दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मैंने लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए सबसे पहला प्रोजेक्ट नई अनाज मंडी अम्बाला छावनी जीटी रोड मोहड़ा के नजदीक शिफ्ट करवाया।

उन्होंने कहा कि अनाज मंडी में किसानों के लिए किसान रेस्ट हाउस की सुविधा के साथ-साथ अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध है।

इसी कड़ी में आज यहां पर किसान रेस्ट हाउस के हॉल में अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाई गई हैं ताकि यहां पर आने वाले किसान एवं मजदूरों को रियायती दर पर पौष्टिक भोजन मिल सकें। मार्केटिंग बोर्ड द्वारा यहां पर स्थाई रूप से कैंटीन चलाने के लिए जगह चिन्हित कर ली गई हैं और टेंडर प्रक्रिया के होने के बाद जल्द से जल्द यहां पर यहां पर 7 लाख रुपए की लागत से अटल किसान मजदूर कैंटीन बनाने का काम किया जाएगा। इस मौके पर स्वयं सहायता समूह से ममता शर्मा ने बताया कि इस कैंटीन में खतौली गांव की चार महिलाओं के द्वारा भोजन तैयार किया जाएगा और यह महिलाएं आजीविका मिशन के तहत कार्य करेगी। इन महिलाओं में इंन्स्टीटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट यमुनानगर से डिप्लोमा भी किया हुआ हैं। इस मौके पर एस-डीएम विनेश कुमार, मंडी एसोसिएशन प्रधान व सदस्य, स्वयं सहायता समूह से ममता शर्मा के साथ-साथ एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी आढ़ती, किसान और विभिन्न विभागों के अधिकारी, अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

बाजवा बम थ्योरी से लोगों को डरा रहे हैं, किसी अप्रिय घटना की प्रतीक्षा कर रहे हैं: सीएम भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को कहा कि यह शर्मनाक है कि विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा 50 बमों के स्थान का खुलासा करने में अपने पैर पीछे खींच रहे हैं, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया था कि ये बम राज्य में तस्करी करके लाए गए थे, और अपने निहित राजनीतिक हितों के लिए किसी अप्रिय घटना के होने का इंतजार कर रहे हैं। आज यहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर बाजवा के पास इस मुद्दे पर कोई ठोस जानकारी है तो उन्हें इसका खुलासा करने से कौन रोक रहा है। उन्होंने कहा कि शायद बाजवा बमों के फटने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे इस मुद्दे पर राजनीति कर सकें और लोगों को गुमराह कर सकें। भगवंत सिंह मान ने कहा कि कांग्रेस नेता ने राज्य के अमन पसंद लोगों के मन में दहशत पैदा करने के लिए निराधार अफवाह फैलाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जब राज्य सरकार ने लोगों को गुमराह करने के लिए बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज किया है, तो कांग्रेस नेता अपनी खाल बचाने के लिए वकीलों के सामने घुटने टेक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कद के नेता को इस तरह के निराधार दावे करके लोगों को गुमराह करने के लिए इस तरह की घटिया नौटंकी नहीं करनी चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि विपक्षी नेताओं को इस तरह के तर्कहीन बयान देने की बजाय मूल्य आधारित राजनीति करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि परंपरागत राजनीतिक दल उनसे ईर्ष्या करते हैं, क्योंकि वे यह पचा नहीं पा रहे हैं कि एक आम आदमी का बेटा राज्य पर प्रभावी ढंग से शासन कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों का परंपरागत राजनीतिक दलों पर से विश्वास उठ चुका है, क्योंकि वे जनविरोधी और पंजाब विरोधी हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के समझदार और बहादुर लोगों ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान इन पार्टियों को बाहर कर दिया था, जिसके कारण वे अब हताश हैं और उन्होंने कहा कि इन पार्टियों के नेता अब लोगों को गुमराह करने के लिए एक-दूसरे के साथ मिल गए हैं। अपने पूर्ववर्तियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नेताओं ने अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग करके अपार संपत्ति अर्जित करके बड़े-बड़े महल बनाए हैं। उन्होंने कहा कि इन महलों की दीवारें ऊंची हैं और लोगों के लिए दरवाजे आमतौर पर बंद रहते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये नेता लोगों की पहुंच से दूर रहे, जिसके

कारण जनता ने उन्हें बाहर कर दिया।

पंजाब सरकार का बड़ा फैसला : सरकारी स्कूलों में प्रिंसिपल प्रमोशन का कोटा बढ़ाया

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। राज्य की आप सरकार ने पंजाब के स्कूलों में प्रिंसिपल प्रमोशन का कोटा बढ़ाया है। अब स्कूलों में प्रमोशन के आधार पर 75 प्रतिशत प्रिंसिपल्स की भर्ती हो सकेगी। इस फैसले से पंजाब के सरकारी स्कूलों में 500 नए प्रिंसिपल्स की भर्ती होगी। मंत्री हरजोत बैंस का कहना है कि कांग्रेस सरकार में ये कोटा सिर्फ 50 प्रतिशत था, जिसकी वजह से स्कूलों में प्रिंसिपल्स की कमी हुई। आम आदमी पार्टी की सरकार प्रदेश के स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है।

सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर हुआ ऊंचा: सीएम मान

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को सुनाम के छाजली में स्कूल ऑफ एमिनेंस का उद्घाटन किया। उनके साथ वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्कूल में छात्राओं की ओर से तैयार किए डेमो और बेटियों की प्रतिभा व आत्मविश्वास देखकर उनके मन को सुकून मिला है। छात्रों की प्रतिभा प्रमाणित कर रही है कि पंजाब में सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर काफी ऊंचा हुआ है। सरकारी स्कूलों के बच्चे निजी स्कूलों के बच्चों को पीछे छोड़ रहे हैं।

सरकारी नौकरी के लिए पैसा या सिफारिश नहीं योग्यता ही आधार

उन्होंने आह्वान किया कि बच्चों को आगे बढ़ने का हर मौका उनकी सरकार दे रही है। लिहाजा बच्चे अपने सपनों को पंख देकर सुनहरी उड़ान भरें। शिक्षा व सेहत पर खास फोकस किया गया है। नौकरी, मेरिट पर है। पंजाब में सरकारी नौकरी के लिए पैसा या सिफारिश नहीं योग्यता ही आधार है। सीएम मान ने कहा कि उन्होंने किसी कारोबार में हिस्सेदारी नहीं डाली, लोगों के दुख-सुख में हिस्सा डाला है। विरोधियों को हजम नहीं हो रहा कि साधारण परिवार का बेटा मुख्यमंत्री क्यों बन गया।

उपयोगिता प्रमाण-पत्र समय पर प्रस्तुत किए जाएं ताकि केंद्र सरकार द्वारा धनराशि की शीघ्र प्रतिपूर्ति सुनिश्चित की जा सके :मुख्य सचिव

हरियाणा में छात्रों की स्कॉलरशिप को लेकर बड़ा मंथन

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इन केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का क्रियान्वयन वर्तमान में सात विभागों-उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण, पशुपालन और डेयरी, आयुष तथा स्कूल (माध्यमिक) शिक्षा विभागों द्वारा किया जा रहा है।बैठक के दौरान, रस्तोगी ने छात्रवृत्तियों के समय पर वितरण की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी संबंधित विभागों को लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए।उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि केन्द्र सरकार द्वारा वित्तपोषित योजनाओं-अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना तथा ओबीसी विद्यार्थियों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के घटक-' का पूरा उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं स्कूल स्तर पर वंचित समुदायों के विद्यार्थियों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि उपयोगिता प्रमाण-पत्र समय पर प्रस्तुत किए जाएं ताकि केंद्र सरकार द्वारा धनराशि की शीघ्र प्रतिपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए, उन्होंने निर्देश दिए कि इन छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यान्वयन से जुड़े सभी संस्थानों, जिला नोडल अधिकारियों और राज्य नोडल अधिकारियों के लिए आधार-आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाईसी अनिवार्य किया जाए। रस्तोगी ने राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई कि कोई भी पात्र विद्यार्थी शिक्षा के अवसरों से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि सम्बन्धित विभाग इन केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत लाभों का सुचारू और प्रभावी वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहतर समन्वय के साथ काम करें।चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने बताया कि विभाग ने छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है, ताकि छात्रवृत्तियां कुशलतापूर्वक और बिना किसी अनावश्यक देरी के वितरित की जा सकें।सेवा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी. अनुपमा ने अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा प्रायोजित इस योजना में केंद्र और राज्य का वित्त पोषण 60:40 के अनुपात में है। छात्रवृत्तियां दो घटकों के तहत प्रदान की जाती हैं-अनिवार्य गैर-वापसी योग्य (नॉन रिफंडेबल) शुल्क तथा पाठ्यक्रम श्रेणी और छात्र के छात्रावास में रहने या डे स्कॉलर होने के आधार पर प्रति वर्ष 2,500 से 13,500 रुपये तक का शैक्षणिक भत्ता। इस योजना के तहत 2.5 लाख तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले विद्यार्थी पात्र हैं।

डॉ. अनुपमा ने बताया कि ओबीसी छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना पीएम यशस्वी योजना का घटक-'' है। इस योजना में भी केंद्र और राज्य का वित्त पोषण 60:40 के अनुपात में है।

इस योजना के तहत शैक्षणिक भत्ते और ट्यूशन फीस, दोनों को कवर करते हुए प्रति वर्ष 5,000 से 20,000 के बीच छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत भी 2.5 लाख तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले विद्यार्थी पात्र हैं। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों की संतृप्ति (सेचुरेशन) और छात्रवृत्तियों का समय पर वितरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। बैठक में युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार, सेवा विभाग के निदेशक प्रशांत पंवार और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सुप्रीम और हाईकोर्ट से फटकार के बाद ममता सरकार ने तैयार की 19 हजार योग्य शिक्षकों की सूची

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी और हाईकोर्ट के फैसले के बाद ममता सरकार ने 19 हजार योग्य शिक्षकों की लिस्ट तैयार की है। इस लिस्ट को स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) ने तैयार की है और शिक्षा विभाग को भेज दी गई है, इस ममता सरकार जल्द सार्वजनिक करेगी। 2016 में हुई शिक्षक और स्टाफ भर्ती प्रक्रिया को कोलकाता हाईकोर्ट ने अवैध करार देकर रद्द कर दिया था। इसमें 25,753 पदों पर भर्ती हुई थी। कोर्ट ने भर्ती में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की बात कही थी, इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने भी 3 अप्रैल 2025 को बरकरार रखा। एसएससी ने कहा कि सूची सीबीआई द्वारा जांचे गए ओएमआर शीट्स की मिरर इमेज के आधार पर तैयार की गई है। सीबीआई ने जांच के दौरान ओएमआर शीट की स्कैन कॉपियों वाली एक हार्ड डिस्क गाजियाबाद से जब्त की थी। ये शीट्स 2016 की परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी न्यासा कम्युनिकेशन के एक पूर्व कर्मचारी के पास से मिलीं। एसएससी के जब्त किए गए सर्वर में मौजूद डेटा से भी जांच में मदद मिली। योग्य शिक्षकों की सूची 21 तक सार्वजनिक करने की मांग को लेकर शिक्षक 16 अप्रैल से दिल्ली में धरना शुरू करने जा रहे हैं। आंदोलनकारी शिक्षकों की मांग है कि सभी ओएमआर शीट्स की मिरर इमेज सार्वजनिक की जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने फिर इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकारा, विवादित टिप्पणी करने से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी बार इलाहाबाद हाईकोर्ट को सख्त हिदायत दी कि किसी भी केस में विवादित टिप्पणी करने से बचे। दरअसल हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को रेप के आरोपी को जमानत देकर कहा था, पीड़ित लड़की ने खुद मुसीबत बुलाई, रेप के लिए वहीं जिम्मेदार है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट की 19 मार्च को की गई एक और टिप्पणी स्तन दबाना और पायजामे की डोरी तोड़ना रेप की कोशिश नहीं हो सकती पर सुनवाई कर रहा था। तभी सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की 10 अप्रैल की टिप्पणी का जिक्र किया। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट जज को जमानत के बारे में फैसला केस से जुड़े फैक्ट्स के आधार पर करना चाहिए। पीड़ित लड़की के खिलाफ गैरजरूरी टिप्पणी से बचना चाहिए। इस पर एसजी तुषार मेहता ने कहा कि न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखाई भी देना चाहिए। इस तरह के आदेश को आम आदमी किस नजरिए से देखेगा, यह भी सोचना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरु, ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरु हो चुका है। यह पंजीकरण आप ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते है। बता दें कि इस साल पवित्र अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगी। आपको श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर जाना होगा। इस वेबसाइट पर आपको रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना होगा और एक पासपोर्ट साइज फोटो वाला आईडी प्रूफ जैसे आधार, वोटर आईडी या फिर पासपोर्ट अपलोड करना होगा। साथ ही एक मेडिकल सर्टिफिकेट भी अपलोड करना होगा, इस श्राइन बोर्ड द्वारा अनुमोदित डॉक्टर से बनवाना जरूरी है। इसके अलावा आपको रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 150 रुपये भी जमा करने है। जब आप वेबसाइट पर दिया गया फॉर्म भर लेते हैं तब परमिट की एक सॉफ्ट कॉपी जेनरेट होगी जिसका प्रिंट आउट निकलवा कर यात्रा के दौरान अपने पास रखे। अगर आप ऑफलाइन आवेदन करना चाहते हैं, तब श्राइन बोर्ड की ओर से तय बैंकों की किसी भी शाखा में जाकर यात्रा के फॉर्म ले सकते है। हम आपको बता दें कि यह फॉर्म पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, यस बैंक और एसबीआई बैंक की शाखाओं पर आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। बैंक की शाखा पर ही आपको अपना मेडिकल सर्टिफिकेट भी दिखाना होगा। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आपको वहीं से यात्रा का परमिट मिल जायेगा। बता दें कि मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए आपको साइट पर अधिकृत डॉक्टरों और अस्पतालों की सूची भी मिल जाएगी।

सलमान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स निकला मानसिक रोगी

-वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी है। पुलिस के मुताबिक धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज है। पुलिस ने बताया कि वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है। उल्लेखनीय है कि वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, इसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को बम से उड़ाने की बात कही थी। अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। वडोदरा पुलिस ने बताया, तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल कर हम लोगों ने मयंक पांड्या को उसके घर से ट्रैक किया। चूंकि वह मानसिक बीमारी का इलाज करा रहा है, इसलिए पुलिस के द्वारा नोटिस भेजा है और जांच में शामिल होने को कहा गया है। मयंक के मोबाइल फोन और व्यवहार पर नजर रखने पर सामने आया कि वह मानसिक रूप से बहुत स्वस्थ नहीं है और उपचार करवा रहा है। वह सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता है और लोकप्रियता पाने की उसकी चाह है।

यूपी-बिहार-महाराष्ट्र में वक्फ से बेफिक्र हैं मुसलमान, फिर दंगों के पीछे किसकी साजिश

कोलकाता (एजेंसी)। मुर्शिदाबाद के एक इलाके से फैली हिंसा की आग अब धीरे-धीरे फैलती जा रही है। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। वक्फ कानून के खिलाफ मुसलमान सड़कों पर हैं। उन्हें बरगलाया जा रहा है। इसकी वजह से सैकड़ों हिंदुओं का पलायन हो चुका है। तीन लोगों की जान भी जा चुकी है। अब सवाल है कि क्या पश्चिम बंगाल में ही सबसे अधिक मुसलमान हैं? क्या अन्य राज्यों के मुसलमानों को वक्फ कानून से कोई लेना-देना नहीं? आखिर यूपी-बिहार और महाराष्ट्र के मुसलमान क्यों बेफिक्र हैं? पश्चिम बंगाल में आखिर कौन दंगे की बार-बार साजिश रच रहा है?

सवाल है कि आखिर पश्चिम बंगाल में दंगे की साजिश कौन रच रहा? पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव है। इस हिंसा के पीछे यह भी एक कारण है। सभी वोट बैंक की खातिर अपनी सियासी रोटी सेकने के चक्कर में इसे हवा दे रहे हैं। टीएमसी और भाजपा वक्फ मुद्दे पर आमने-सामने है। एक ओर टीएमसी बंगाल में लागू नहीं होने देने की बात कह रही है, दूसरी ओर कुछ नेता स्थानीय लोगों को भड़का रहे हैं कि वक्फ कानून से उनके अधिकार छीन लिए जाएंगे। खुफिया एजेंसियों की मानें तो बंगाल में वक?फ कानून के विरोध में फैली हिंसा का पैटर्न साल 2019 में सीएए के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शनों की तरह है। मुर्शिदाबाद में हिंसा फैलाने के लिए उसी टूकिट का इस?तेमाल किया जा रहा है, जिसका प्रयोग सीएए के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शनों में किया गया था। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में 8 अप्रैल से ही प्रदर्शन और हिंसा का दौर जारी है। धुलियान, शमशेरगंज, सूती, जंगीपुर और निमतिता जैसे इलाकों में खूब हिंसा हुई है। हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई, जिसमें एक पिता-पुत्र और एक नाबालिग शामिल हैं। अब तक 200 से अधिक लोग गिरफ्तार हुए हैं और कलकत्ता हाईकोर्ट ने केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। अब साउथ 24 परगना में भी हिंसा हुई है। इसमें कोई शक नहीं कि मुर्शिदाबाद में मुस्लिमों की आबादी अधिक है। 2011 की जनगणना के अनुसार मुर्शिदाबाद जिले की कुल आबादी में करीब 66.3 फीसदी मुस्लिम हैं। मुर्शिदाबाद हिंसा के पीछे कई वजहों में एक वजह यह भी है। हालांकि, इस हिंसा को सियासी दाना-पानी मिल रहा है।भाजपा का आरोप है कि टीएमसी वाले ही इस कानून के खिलाफ लोगों को भड़का रहे हैं। इसका नतीजा है कि लोग सड़कों पर आ रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते कुछ समय से मुर्शिदाबाद में हिंसा, आगजनी और पत्थरबाजी ने यह साबित कर दिया है कि बगैर सियासी घी के यह हिंसा नहीं हो सकती थी। मुर्शिदाबाद हिंसा का टूलकिट भी सामने आया है, जिसमें टेलीग्राम, व्हाट्सऐप और सिग्नल ऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से टूलकिट जारी किया जा रहा है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई 28 अप्रैल तक टली

सुलतानपुर (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन वादी की तरफ से गवाह पेश नहीं होने के कारण यह सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि नियत की है। राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को मानहानि मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन वादी की तरफ से गवाह न पेश होने पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि नियत की है। पिछली सुनवाई 3 अप्रैल को हुई थी। वादी के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि आज गवाह का बयान होना था। उन्होंने बताया कि गवाह आया था, लेकिन उसकी तबियत ठीक न होने के कारण बयान नहीं हो सका। यह मामला 2018 का है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी की कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। पांच साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद दिसंबर 2023 में अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया। राहुल ने फरवरी 2024 में अदालत में समर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने राहुल को 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। 26 जुलाई को राहुल ने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इस वर्ष की शुरुआत में वकीलों की हड़ताल और राहुल के अधिवक्ता की अस्वस्थता के कारण कई बार सुनवाई टली। 11 फरवरी को राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने परिवादी से जिरह पूरी की थी।

राज्यपाल रवि ने छात्रों से लगवाए जय श्री राम' के नारे, विरोधी नाराज

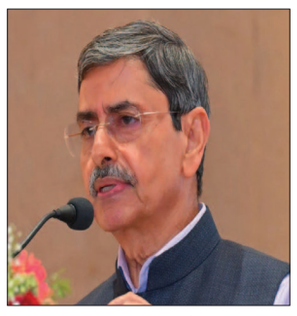

मदुरै, (एजेंसी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को सुप्रीम कोर्ट से फटकार लगे अभी ज्यादा समय नहीं हुआ हैं कि एक नया विवाद खड़ा हो गया। 12 अप्रैल को मदुरै के कॉलेज में उन्होंने छात्रों से 'जय श्री राम' के नारे लगवा दिए। विरोधी दलों का कहना है कि किसी संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति इसतरह के धार्मिक नारे नहीं लगवा सकता, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

दरअसल राज्यपाल रवि 12 अप्रैल को मदुरै के एक कॉलेज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। राज्यपाल ने कम्ब रामायण लिखने वाले कवि चक्रवर्ती कम्बन के सम्मान में छात्रों से आग्रह किया, आइए हम उस व्यक्ति को श्रद्धांजलि अर्पित करें जो श्री राम का महान भक्त था। मैं कहूंगा और आप दोहराएंगे, जय श्री राम।

इसके बाद राज्यपाल रवि और छात्रों ने तीन बार जय श्री राम का नारा लगाया। तमिलनाडु गवर्नर का वीडियो सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया।

इस वीडियो पर तमिलनाडु के स्टेट प्लेटफॉर्म फॉर कॉमन स्कूल सिस्टम यानी एसपीसीएसएस-टीएन ने कहा कि राज्यपाल रवि ने अपने पद की शपथ का उल्लंघन किया है। राज्यपाल रवि ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 159 के तहत शपथ ली है और अपनी शपथ में उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि वे अपनी पूरी क्षमता से संविधान और कानून का संरक्षण, सुरक्षा और बचाव करने वाले है। राज्यपाल को कॉलेज में मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। उन्हें किसी खास धर्म के प्रचारक के तौर पर आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्हें धार्मिक उपदेश देने के लिए नहीं कहा गया था।

वहीं राज्यपाल के वीडियो पर वेलाचेरी से कांग्रेस विधायक जेएमएच हसन मौलाना ने कहा, आरएन रवि संवैधानिक पद पर हैं। उन्हें इसतरह के काम शोभा नहीं देते। रवि किसी धार्मिक नेता की तरह बोल रहे हैं। वे आरएसएस और भाजपा के प्रचार मास्टर बन गए हैं।

वहीं, डीएमके प्रवक्ता धरणीधरन ने कहा, यह देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ है। राज्यपाल बार-बार संविधान का उल्लंघन क्यों करना चाहते हैं? उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है? वह आरएसएस के प्रवक्ता हैं।

हिंदू समाज में एकता के लिए आंबेडकर और हेडगेवार ने खपाया अपना जीवन-मोहन भागवत

कानपुर (एजेंसी)। सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को यहां कहा कि हिंदू समाज में एकता-समानता बनाने के लिये डॉ. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने अपना पूरा जीवन खपा दिया। काम दोनों का एक ही था। मगर दोनों ने प्रारम्भ अलग-अलग अवस्था में अलग-अलग दिशा से किया था। भागवत ने कहा कि जब 1934 में महाराष्ट्र में सतारा के पास कराड़ की शाखा में डॉ. आंबेडकर गये थे तो उसका समाचार छपा था। केसरी समाचार पत्र में डॉक्टर बाबा साहब आंबेडकर का शाखा पर जो भाषण हुआ उसका तीन पंक्तियों में वृतांत दिया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ बातों में हमारे में मतभेद हैं तो भी मैं संघ को अपनत्व के भाव से देखता हूं।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि यह अपनत्व दो बातों का परिणाम था। डॉ. हेडगेवार और डॉक्टर आंबेडकर दोनों में अपने समाज के लिए कूट-कूट कर अपार आत्मीयता भरी थी। दोनों का जो कार्य था वह समाज में उसी आत्मीयता को उत्पन्न कर सब स्वार्थ और भेदों को तिलांजलि देने का काम था। उस काम के लिए दोनों चले। सब कार्यकर्ता चले। आज भी हम चल रहे हैं। स्वतंत्रता और समता एक साथ लानी है तो बंधुभाव होना जरूरी है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने कठिन परिस्थिति में अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने भी बाबा साहब की तरह समाज में फैली विषमता को दूर कर एक सूत्र में पिरोने का काम किया। अपने लिये दोनों ही डॉक्टरों ने कुछ नहीं किया। बाबा साहब के जाने के बाद उनकी स्मृतियां पुस्तकालय था और डॉ. हेडगेवार के जाने के बाद उनकी स्मृतियां उनका पत्राचार था। दोनों ने ही अपने समाज के लिये कार्य किया और उनकी स्वतंत्रता बनी रहे इसके लिये अपना जीवन खपा दिया। उन्होंने कहा कि यह बड़ा संयोग है कि बाबा साहेब के जन्मदिवस पर ही यह कार्यक्रम हो रहा है।

उन्होंने कहा, बाबा साहब का काम था कि समाज से जणमूल से विषमता से हटाना। उन्होंने कहा कि जैसे संघ एक स्टार्टर है। वैसे बाबा साहब का कार्य भी स्टार्टर था। बाबा साहब का स्टार्टर किक वाला स्टार्टर था क्योंकि हिंदू समाज सुन नहीं रहा था। उन्होंने इस कार्य में अपना पूरा जीवन लगा दिया। उनका मानना था कि भारत देश को अच्छा बनना है तो विषमता, असमानता और एक दूसरे के प्रति प्रेम की कमी को भरने का प्रयास करना जरूरी है। संघ का कार्य भी जिन्होंने ने शुरू किया उनको सामाजिक विषमता का शिकार तो नहीं होना पड़ा लेकिन डायरेक्ट उपेक्षा का शिकार वह भी होते रहे। मोहन भागवत ने कहा कि इस प्रांत को जितनी जरूरत थी, उतना बड़ा कार्यालय बना है। संघ के मानक हैं। जहां जितनी जरूरत उनका ही निर्माण होता है। आवश्यकता से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इतना भी बनाने की स्थिति नहीं थी। जब डॉ. हेडगेवार अकेले चले थे तो संघ की बैठक घरों में होती थी। कभी कार्यालय इतने छोटे थे कि दिखते तक नहीं थे। उन्होंने कहा कि संघ और कार्यालय एक भाव है इसे संभालकर रखना जरूरी है।

सपा विधायक का विवादित बयान, देवी-देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए, वे मर जाते

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज ने अपने पुराने बयान का बचाव किया जिसमें सपा विधायक ने मुहम्मद गौरी जैसे ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान भारतीय देवी-देवताओं की भूमिका पर सवाल खड़े किए थे। अब विधायक सरोज ने कहा कि देवी-देवताओं को आक्रमणकारियों को श्राप देकर राख में बदल देना चाहिए था। सपा विधायक ने कहा कि हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं थे। 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम अरब से देश में आया और देश को लूटा। गौरी इस देश को लूटने आया था। तब इस देश के देवी-देवताओं ने क्या किया? विधायक सरोज ने कहा कि देवी-देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए था। वे राख हो जाते, मर जाते और अंधे हो जाते। इसका मतलब है कि कुछ कमी है और हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं हैं। सपा विधायक सरोज ने कहा था कि अगर भारत के मंदिरों में शक्ति होती, तब कासिम, महमूद गजनवी और मोहम्मद गौरी जैसे आक्रमणकारी देश में नहीं आते।

कांग्रेस ने बदली रणनीति, अब सवर्णों के बजाय ओबीसी, दलित और मुस्लिम पर नजर

पटना(एजेंसी)। कांग्रेस ने गुजरात में आयोजित अधिवेशन से साफ संकेत दे दिया है कि वह अब राजनीतिक पुनर्गठन की दिशा में बड़े बदलाव करने जा रही है। छह दशकों बाद बदली रणनीति के तहत पार्टी अब सवर्णों के बजाय ओबीसी, दलित और मुस्लिम समाज पर दांव लगाना चाहती है। इसका सीधा असर बिहार में लालू यादव की आरजेडी और यूपी में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी पर पड़ सकता है, क्योंकि इन समाजों का पारंपरिक समर्थन इन क्षेत्रीय दलों के साथ रहा है।

कांग्रेस का मानना है कि बीजेपी ने सवर्णों के साथ स्थायी गठजोड़ बना लिया है, ऐसे में पार्टी के लिए बहुजन वर्ग का समर्थन हासिल करना ज्यादा लाभकारी होगा। कांग्रेस ने घोषणा की है कि सत्ता में आने पर वह जातीय जनगणना कराएगी और अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए आबादी के अनुपात में बजटीय आवंटन तय करने के लिए केंद्रीय कानून बनाएगी।

विश्लेषकों की माने तो कांग्रेस की यह रणनीति अभी भी कई विरोधाभासों से घिरी है। एक तरफ पार्टी ओबीसी और दलित समाज को साधने की बात कर रही है तो दूसरी ओर उसे उन्हीं वर्गों के वोट बैंक पर कब्जा जमाए क्षेत्रीय दलों से चुनौती का सामना करना पड़ेगा। बिहार में आरजेडी और यूपी में सपा की ओबीसी विशेषकर यादव समाज पर मजबूत पकड़ है, जिसे तोड़ पाना कांग्रेस के लिए मुश्किल होगा। कांग्रेस कभी मुस्लिम, दलित और ब्राह्मणों की पसंदीदा पार्टी हुआ करती थी, लेकिन समय के साथ उसने इन समाजों का भरोसा खो दिया। आज वही समुदाय क्षेत्रीय दलों की छांव में सियासी सुरक्षा महसूस करते हैं। कांग्रेस की पिछली गलतियों जैसे मुस्लिम नेताओं की उपेक्षा और दंगों पर चुप्पी ने उसकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। कुल मिलाकर कांग्रेस की नई रणनीति में आत्मनिर्भरता की झलक तो दिखती है, लेकिन वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए, यह राह बेहद कठिन और समयसाध्य होगी। कांग्रेस को न सिर्फ जनता का विश्वास जीतना होगा, बल्कि क्षेत्रीय दलों के साथ प्रतिस्पर्धा में भी खुद को साबित करना होगा।

किसानों को मौसम विभाग ने दी खुशखबरी, मानसून में सामान्य से अधिक होगी बारिश

पूरे मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति को खारिज किया

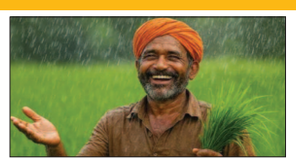

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इनदिनों भीषण गर्मी लू का प्रकोप दिख रहा है। अप्रैल के माह में ही तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है। इस बीच मानसून को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अच्छी खबर दी है।

आईएमडी ने बताया कि इस मानसून में भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं, विभाग ने पूरे मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति की संभावना को खारिज कर दिया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि भारत में चार महीने के मानसून मौसम (जून से सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, तथा संचयी वर्षा दीर्घ अवधि औसत 87 सेमी का 105 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसून वर्षा से जुड़ी अल नीनो की स्थिति इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है।

दरअसल भारत एक किसान प्रधान देश है। इसलिए कृषि क्षेत्र के लिए मानसून महत्वपूर्ण है। कृषि देश की करीब 42.3 प्रतिशत आबादी की आजीविका का आधार है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में 18.2 प्रतिशत का योगदान देता है। बता दें कि शुद्ध खेती वाले क्षेत्र का 52 प्रतिशत प्राथमिक बारिश प्रणाली पर निर्भर करता है। इसके अलावा देश भर में बिजली उत्पादन के अलावा पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों को फिर से भरने के लिए भी बारिश महत्वपूर्ण है। इसकारण मानसून के मौसम में सामान्य बारिश की भविष्यवाणी देश के लिए एक बड़ी राहत की बात है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश के दिनों की संख्या घट रही है जबकि भारी बारिश की घटनाएं (थोड़े समय में अधिक बारिश) बढ़ रही हैं। यही वजह है कि लगातार सूखे और बाढ़ आ रही हैं।

भारत दूसरा सबसे बड़ा हथियार खरीददार बना, लेकिन रुस की हिस्सेदारी हुई कम

-मेक इन इंडिया के तहत अब स्वदेशी हथियारों पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2020-24 के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर कुल हथियारों का 8.3 प्रतिशत आयात किया और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार खरीदार बना। पहले स्थान पर यूक्रेन रहा, जो कि 2015-19 की तुलना में 100 गुना ज़्यादा हथियार खरीदे। भारत की हथियार खरीद में 2015-19 की तुलना में 9.3 प्रतिशत की गिरावट हुई, जबकि 2019-23 के दौरान यह आंकड़ा 10 प्रतिशत था। गिरावट के बावजूद रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बना रहा, लेकिन उसकी हिस्सेदारी कुछ कम हो गई। अब भारत के कुल आयात का 64 प्रतिशत हिस्सा स्वदेशी और पश्चिमी देशों से मिलकर आता है। रूस की वैश्विक हथियार बिक्री में भी 64 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले ही शुरू हो गई थी। भारत और चीन जैसे देशों से कम ऑर्डर मिलने के कारण रूस की हिस्सेदारी 7.8 प्रतिशत पर आ गई।

भारत लंबे समय से रूस का बड़ा हथियार खरीदार रहा है। 2000 से 2019 के बीच भारत ने अपने 62 प्रतिशत हथियार रूस से लिए थे और वह रूस के कुल हथियार निर्यात का 32 प्रतिशत हिस्सा था। लेकिन अब मोदी सरकार के आने के बाद स्वदेशी रक्षा निर्माण की ताकत बढ़ रही है। मेक इन इंडिया के तहत भारत रक्षा उत्पादन के मामले में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 1.27 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जबकि रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ के शीर्ष पर पहुंचा।

अमेरिका, फ्रांस, इज़राइल और अन्य पश्चिमी देशों से सहयोग बढ़ने से भारत के पास विकल्प भी बढ़े हैं। भारत ने फ्रांस से राफेल और स्कॉर्पीन पनडुब्बी, अमेरिका से एमक्यू-9ए ड्रोन, अपाचे और चिनूक हेलिकॉप्टर, एम-777 तोपें खरीदी हैं। इज़राइल से भी भारत ने स्पाइक मिसाइल, फाल्कन सिस्टम और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकें हासिल की हैं। रूस अब भी भारत को हथियार देने को तैयार है, लेकिन भारत एक देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता और वैश्विक साझेदारियों के जरिए अपने रक्षा क्षेत्र को संतुलित कर रहा है।

मुझे अपने लिए गाना है, प्रियंका और दीपिका को देना चाहती हैं आवाज

छोटे पर्दे के चर्चित म्यूजिक रिएलिटी शो इंडियल आइडल के 15वें सीजन की ट्रॉफी सुरीली आवाज की धनी सिंगर मानसी घोष ने अपने नाम कर ली। इंडियन आइडल 15 से पहले एक और म्यूजिक रिएलिटी शो सुपर सिंगर के तीसरे सीजन की रनर-अप रहीं मानसी शुरू से ही शो की पसंदीदा प्रतिभागियों में से थीं। मानसी घोष ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की साधना शुरू कर दी थी। अपने संगीत प्रेम के बारे में उन्होंने बताया, जैसा कि पारंपरिक बंगाली परिवारों में होता है, मैं बहुत छोटी थी, तब से गाना सीखना शुरू किया। मेरी मम्मी को गाने का बहुत शौक था। वो चाहती थीं कि मैं सिंगर बनूं, तो मैंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था। फिर, बड़ी होते हुए मुझे समझ में आ गया था कि मुझे सिंगर ही बनना है। दूसरा सिंगिंग रिएलिटी शो करने की वजह? सुपर सिंगर की रनर-अप बनने के बावजूद फिर रिएलिटी शो में भागीदारी की वजह पूछने पर मानसी बताती हैं, सुपर सिंगर एक बंगाली शो था, जबकि मैं नैशनल टीवी पर आना चाहती थी, इसलिए मैंने इंडियन आइडल का ऑडिशन दिया। वहीं, शो में अपने सफर के बारे में उनका कहना है, यह बहुत मजेदार और जादुई सफर था। मैंने सोचा नहीं था कि मैं शो जीतूंगी। पहले दिन से मेरी सोच ये थी कि इतनी मेहनत करूं कि फाइनलिस्ट बन जाऊं। मैं गाने पर ध्यान देना चाहती थी और वही किया, जिसके लिए मुझे बहुत प्यार मिला। शो जीतना तो सोने पर सुहागा था।

इंडिपेंडेंट म्यूजिक में बनाना है करियर

वहीं, आगे के प्लान्स के बारे में मानसी बताती हैं, मुझे आगे लाइव शोज करने हैं। गाने बनाने हैं। मुझे कंपोज करने का भी शौक है, तो मुझे इंडिविजुअल म्यूजिक में काम करना है। हालांकि, मैं प्लेबैक के लिए भी कोशिश करूंगी। मगर अभी सारे ट्रेंडिंग गाने इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट के ही हैं। अभी इंडिपेंडेंट म्यूजिक का दौर चल रहा है और मैं वही करना चाहती हूं। अपनी प्राइज मनी का इस्तेमाल भी उसी के लिए करना है।

इन दो एक्ट्रेसेस के लिए चाहती हैं गाना

मानसी किसी एक्ट्रेस के लिए गाना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, मुझे खुद के लिए गाना है। मैं खुद के लिए गाती हूं। अपनी ऑडियंस के लिए गाती हूं। बाकी, एक्ट्रेसेस में मुझे प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण पसंद हैं तो यही दो नाम सबसे पहले आते हैं।

कृष 4 से बॉलीवुड में दमदार वापसी करने जा रहीं प्रियंका

कृष फ्रेंचाइजी को लेकर हाल ही में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। खबर है कि इस बार प्रियंका चोपड़ा जोनस भी इस फिल्म के जरिए फ्रेंचाइजी में वापसी करने वाली हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा ने कृष 4 में लीड एक्ट्रेस का रोल साइन कर लिया है। बताया जा रहा है कि प्रियंका, ऋतिक की इस फिल्म के विजन से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने तुरंत हामी भर दी। वह ऋतिक के डायरेक्शन में काम करने को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। फैंस भी इस खबर से खुश हैं, क्योंकि कृष और कृष 3 में प्रियंका और ऋतिक की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

जादू की भी होगी एंट्री

फिल्म में एक और खास किरदार की वापसी की खबर है। कहा जा रहा है कि इस फ्रेंचाइजी का प्यारा एलियन जादू भी कृष 4 में नजर आएगा। जादू का किरदार हमेशा से फैंस का फेवरेट रहा है और अब उसकी वापसी की खबर ने उत्साह को दोगुना कर दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जादू की क्या भूमिका होगी।

राकेश रोशन कर चुके हैं एलान

28 मार्च को फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन ने एक खास पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि अब कृष 4 का निर्देशन उनके बेटे ऋतिक रोशन करेंगे। राकेश रोशन ने लिखा था, डुग्गू, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक एक्टर के तौर पर लॉन्च किया था। आज 25 साल बाद मैं और आदित्य चोपड़ा तुम्हें डायरेक्टर के तौर पर लॉन्च कर रहे हैं। यह हमारी सबसे खास फिल्म कृष 4 होगी। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कृष 4 की शूटिंग 2026 की शुरुआत में शुरू होगी।

साउथ की फिल्म में भी दिखेंगी प्रियंका

कृष 4 के अलावा प्रियंका एक और बड़ी भारतीय फिल्म में नजर आएंगी। वह एसएस राजामौली की पैन-इंडिया फिल्म में काम कर रही हैं, जिसका शुरुआती नाम एसएसएमबी 29 है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू लीड रोल में हैं। हाल ही में फिल्म की टीम ओडिशा में शूटिंग के दौरान देखी गई थी।

तेजस्वी के साथ शादी की खबरों पर नाराज हुए करण

टीवी एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों के फैंस को इनकी शादी का इंतजार है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जल्द ही एक रियलिटी शो में दोनों सगाई कर सकते हैं। लेकिन, इस तरह की अफवाहों पर हाल ही में करण कुंद्रा ने नाराजगी जताई है। उन्होंने बाकायदा सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है। करण कुंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, नए जमाने के प्यारे टैबलॉयड। मैं अपनी शादी की खबरें पढ़-पढ़कर परेशान हो गया हूं। मैं क्योंकि दुबई में हूं तो अपनी सगाई का एलान शो पर करूंगा। आपमें से कई सारे लोग मुझसे और मेरे एजेंट से एक कॉल दूर हैं। आप कॉल करके कंफर्म क्यों नहीं कर लेते? अभी थोड़ा ज्यादा हो रहा है। करण ने आगे लिखा है, मेरी शादी, सगाई, रोका, बच्चा, ब्रेकअप, मिडलाइफ क्राइसिस मैं खुद एनाउंस कर लूं प्लीज। मेरी तरफ से आप सभी को बहुत प्यार और शुभकामनाएं।

न्यासा का एक्टिंग में फिलहाल कोई इंटरेस्ट नहीं है

बॉलीवुड के पावर कपल कहे जाने वाले काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी किसी फैशन इवेंट में शिरकत करती हैं, तो कभी किसी स्टार किड पार्टी में अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं और हर बार एक सवाल फिर से उठता है - क्या न्यासा फिल्मों में आने वाली हैं? लेकिन हाल ही में एक इवेंट में जब काजोल से ये सवाल सामने आया, तो उन्होंने बहुत ही साफ और बिना घुमाए जवाब दिया - नहीं। उसने खुद तय कर लिया है कि फिलहाल उसका फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं काजोल हाल ही में एक इवेंट में गेस्ट बनकर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब उनसे बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया, तो काजोल मुस्कुराते हुए बोलीं, बिलकुल नहीं... नो। वो 22 साल की हो गई है, होने वाली है अभी। मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि नहीं आने वाली है अभी। इवेंट में काजोल से पूछा गया कि अगर कोई नया लड़का या लड़की फिल्म लाइन में आना चाहता है, तो वो उसे क्या सलाह देंगी? इस पर काजोल ने कहा, सबसे पहली बात, हर किसी से सलाह मत लो। क्योंकि अगर तुम पूछोगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग खड़े हो जाएंगे और कहेंगे - नाक बदलो, हाथ बदलो, बालों का रंग बदलो, ये करो, वो करो और वैसे ही इंसान कन्फ्यूज हो जाता है।

अगली फिल्म में 'मां' के रोल में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अगली फिल्म का नाम है मां, जो एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है। इस फिल्म को विशाल फुरिया डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक मजबूत मां के रोल में दिखीं, जो किसी भी हद तक जाकर अपनी बेटी की हिफाजत करती है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा। मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरान हाशमी ने नेपोटिज्म पर की खुलकर बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी कजिन आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की है। हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट द रणवीर शो में इमरान से आलिया की कामयाबी और नेपोटिज्म को लेकर सवाल किए गए। इमरान ने इस पर खुलकर जवाब देते हुए कहा कि आलिया ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी के लिए रास्ता आसान करती है, लेकिन आलिया का स्टारडम उनकी अपनी मेहनत का नतीजा है। रणवीर ने जब इमरान से पूछा कि क्या महेश भट्ट के लंबे करियर का आलिया को फायदा मिला? इस पर जवाब देते हुए इमरान ने बेहद साफगोई से जवाब देते हुए कहा, हर पीढ़ी अपने बच्चों के लिए एक सीढ़ी की तरह काम करती है। मेरे पिता या दादा-दादी से मुझे जो सीख मिली, उसने मुझे इंडस्ट्री को समझने में मदद की। ठीक वैसे ही, महेश भट्ट ने आलिया को सलाह और अनुभव जरूर दिए होंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आलिया की कामयाबी सिर्फ इस वजह से है। इमरान ने साफ किया कि फिल्म इंडस्ट्री में बिना बैकग्राउंड वाले लोग भी सुपरस्टार बने हैं, लेकिन जिन्हें मार्गदर्शन मिलता है, उनके लिए रास्ता थोड़ा आसान हो जाता है।

आलिया की मेहनत की जमकर की तारीफ

इमरान ने आलिया की तारीफ करते हुए कहा, आलिया अपने दम पर स्टार बनी हैं। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी मेहनत और प्रतिभा का नतीजा है। एक्टिंग का सफर बहुत अकेला होता है। आपको खुद कैमरे के सामने जाकर परफॉर्म करना पड़ता है। इसमें कोई और आपकी मदद नहीं कर सकता। इमरान ने यह भी कहा कि आलिया बेहद मेहनती हैं और अपनी हर भूमिका में जान डाल देती हैं।

इमरान ने इस बातचीत के दौरान एक पुराना किस्सा भी साझा किया जो आलिया के संघर्ष को बयां करता है। उन्होंने कहा, जब आलिया को अपना पहला शॉट देना था तो वह बहुत घबराई हुई थीं। वह ऑफिस आईं और मुझसे सलाह मांगने लगीं। अगले दिन उनका पहला शॉट था, इसलिए वह काफी नर्वस थीं। लेकिन सच कहूं तो उन्हें मेरी सलाह की जरूरत नहीं थी। वह खुद में एक शानदार एक्टर हैं।

इमरान की कजिन हैं आलिया

क्या आप जानते हैं कि इमरान और आलिया कजिन्स हैं? इमरान की दादी मेहरबानो मोहम्मद अली (जिन्हें पूर्णिमा दास वर्मा के नाम से जाना जाता था) और महेश भट्ट की मां शिरीन मोहम्मद अली बहनें थीं। यानी आलिया, जो महेश भट्ट की बेटी हैं, इमरान की कजिन हैं।

राज को तो उनकी मां ने पत्नी की इज्जत करना सिखाया है

एक्ट्रेस पत्रलेखा ने पहली ही फिल्म सिटी लाइट्स से खुद को अच्छी अदाकारा साबित कर दिया था, मगर उन्हें दमदार रोल अब जाकर सीरीज आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले जैसी फिल्म में मिल रहे हैं। फुले में महान समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की भूमिका निभा रहीं पत्रलेखा से हमने कई पहलुओं पर खास बातचीत की -

सावित्री बाई फुले भारत में लैंगिक समानता और फेमिनिस्ट आंदोलन की अग्रणी रही हैं। क्या आपने लड़की होने के कारण गैर बराबरी झेली है?

बिल्कुल झेली है। मैंने बचपन से इन चीजों का सामना किया है और ये असमानता अब भी हमारे समाज में है, पर मेरा मानना है कि एक स्ट्रॉन्ग मां ही इसमें बदलाव ला सकती है। वो ही अपने बेटे को समझा सकती है कि लड़की-लड़का सब एक है। यह आपके घर से शुरू होगा, जो मैंने अपने घर में देखा है। मेरे पैरंट्स की शुरू से यह सोच रही कि जो मुझे और मेरी बहन को दिया जाएगा, वही मेरे भाई को दिया जाएगा। चाहे वो पढ़ाई हो या दुर्गापूजा के कपड़े हों या खाना, हमारे घर में हर चीज में बराबरी थी, लेकिन बाहर लड़की होने की वजह से मैंने ईव-टीजिंग वगैरह काफी सही हैं।

कभी इस गैर बराबरी के खिलाफ आवाज उठाई?

बहुत वक्त के बाद। यह आवाज उठाना मुझे राज एक्टर पति राजकुमार राव ने छह-सात साल पहले सिखाया था। वरना, पहले जब ईव टीजिंग होती थी, जो हमारे साथ होती ही रहती है कि कोई भी रास्ते पर कुछ बोलकर, करके चला जाता है, तब मुझे बहुत बुरा लगता था, गुस्सा आता है, मगर मैं कुछ नहीं बोलती नहीं थी। मैं चुपचाप अपना सिर नीचे करके चली जाती थी। मुझे याद है, कॉलेज के वक्त हम बस से किसी ट्रिप पर जा रहे थे। जब मैं बस से उतरी तो किसी ने मुझे पीछे से पीठ के नीचे छुआ, तो मुझे इतना गंदा लगा कि मैं रात भर रोती रही कि मेरे साथ ऐसा क्यों किया, मेरी क्या गलती थी? मगर ये आपकी बात तो है ही नहीं, ये बात समझने में मुझे बहुत वक्त लग गया।। यह राज ने मुझे सिखाया कि कोई अगर तुम्हें बुरी नजर से देख रहा है, कुछ कह रहा है या तुम्हें असहज महसूस करा रहा है तो तुम बोलो ना कि क्या देख रहे हो? उसे पलटकर जवाब दो। तब मुझे लगा कि हां यार, मैं क्या गलत कर रही हूं, मैं क्यों सिर झुकाकर निकलूं?

आपका और आपके पति राजकुमार राव का रिश्ता भी बराबरी की पार्टनरशिप की मिसाल माना जाता है। राज का खुद को पत्रलेखा का बॉयफ्रेंड कहना या शादी के समय आप दोनों का एक-दूसरे को सिंदूर लगाना ! इसके पीछे क्या सोच रहती है?

राज (राजकुमार राव) या मैं ऐसा कुछ सोचकर नहीं करते। राज की परवरिश ही ऐसी हुई है। ये खूबियां उनकी मम्मी ने उनमें डाली हैं। जैसा कि मैंने कहा ये सब चीजें घर से ही शुरू होती हैं। राज की मां बहुत स्ट्रॉन्ग थीं। उन्होंने उसे सिखाया कि आपको अपनी पत्नी को इज्जत देनी ही है। आपके घर की सब औरतें आपके बराबर हैं। ये चीजें उनको बचपन से सिखाई गई हैं तो वह नैचरली ऐसे हैं। वह ऐसा कुछ दिखाने या साबित करने के लिए नहीं करते। हम दोनों ऐसे ही हैं। यह हमारी पर्सनैलिटी है।

आपने 2014 में पहली फिल्म सिटी लाइट्स में अपनी एक्टिंग के लिए वाहवाही पाई, मगर उसके बाद वैसा दमदार रोल अब जाकर आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले में मिल पाया। आपके हिसाब से कहां गलती हुई?

गलती मेरी तरफ से नहीं हुई यार। यह इंडस्ट्री पर है। मैं अपना काम बहुत शिद्दत से करती हूं। अगर आपको मेरा काम या शायद मेरा चेहरा पसंद नहीं है तो उसके लिए मैं खुद को दोष नहीं दूंगी कि मुझे वो रोल क्यों नहीं मिले। शायद वो मेरे नसीब में नहीं था। यहां कोई वजह तो बताता नहीं है। सब बोलते थे कि अरे, वेरी गुड वेरी गुड पर उसके आगे क्या? मैं बस इतना जानती हूं कि मुझे जो काम मिलेगा, वो मैं शिद्दत से करूंगी। उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी।

फिल्म टोस्टर से आप निर्माता भी बन गई हैं। यह ख्याल कैसे आया और कैसा अनुभव रहा?

मैं चार-पांच साल से सोच रही थी कि मुझे निर्माता बनना है। हम उस दिशा में काम कर रहे थे, पर ऐसी चीजें रातोंरात नहीं होतीं। पिछले साल हमने यह फिल्म ओटीटी के लिए पिच की, उन्हें पसंद आ गई। राज को रोल पसंद आ गया, तो काम शुरू हो गया, पर यह एक्टिंग से बहुत अलग काम है। इसमें बहुत दिमाग और वक्त लगता है और यह सिर्फ पैसे की बात नहीं है। शूट से पहले की प्लानिंग, सेट पर सबकुछ कैसे होगा, यह सब मैनेज करना बहुत ही मुश्किल काम है। हालांकि, एक शानदार क्रिएटिव जर्नी भी होती है। डीओपी, डायरेक्टर के साथ जो फैसले आप लेते हैं, वो सब बहुत मजेदार प्रॉसेस है, लेकिन मुश्किल भी उतना ही है।

सावित्री बाई फुले का किरदार निभाना कितना बड़ी जिम्मेदारी थी? आप समाज सुधार के लिए क्या काम करना चाहेंगी?

ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने समाज के लिए जितना किया है, हम आज के समय में वैसा करने की सोच भी नहीं सकते। उनकी जिंदगी का एक ही मकसद था, समाज में सुधार लाना। वो चाहे लड़कियों की शिक्षा को, बाल विवाह रोकना हो, छोटी जाति वालों को समाज में जगह दिलाना हो, वे बस समाज की बेहतरी के लिए काम करते रहे। क्या मैं आज वो कर सकती हूं? क्या अपने अलावा औरों के बारे में सोच सकती हूं, नहीं, क्योंकि आज हम सिर्फ खुद को आगे बढ़ाने के बारे में ही सोचते रहते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।